जीवन दर्शन

बिना उत्साह के कभी किसी उच्च लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती -एमर्सन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

बुधवार 28 मई, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 106 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

फ्रेंच ओपन- वर्ल्ड नंबर-1 सिनर का विजयी आगाज:पहले राउंड ...

पृष्ठ 8 पर

5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान के मॉडल को मंजूरी:बनाने में निजी कंपनियां मदद करेंगी

नई दिल्ली ■

भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी करेगा।

एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया।

एएमसीए प्रोजेक्ट को 2024 में मंजूरी मिली

अप्रैल, 2024 में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 5वीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट के डिजाइन और विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। यह फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान - एएमसीए) है। एडीए इस प्रोग्राम के एग्जीक्यूशन और एयरक्राफ्ट डिजाइन करने के लिए नोडल एजेंसी है।

एएमसीए स्वदेशी तकनीक से बनने वाला दूसरा फाइटर जेट

एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए देश में ही विकसित होने वाला दूसरा फाइटर एयरक्राफ्ट होगा। इससे पहले भारत में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस और उसके एडवांस्ड वर्जन तेजस मार्क-1 को तैयार किया जा चुका है। इसके और भी उन्नत संस्करण मार्क-1-ए पर काम चल रहा है। जानकारी के मुताबिक एएमसीए 2035 तक एयरफोर्स और नेवी में तैनाती के लिए उपलब्ध हो सकेगा।

आरसीबी ने एलएसजी को हराकर क्वालिफायर-1 में जगह बनाई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टारगेट चेज कर क्वालिफायर-1 में जगह बना ली। टीम ने सीजन के आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया। इकाना स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ आरसीबी ने मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब टीम 29 मई को पंजाब किंग्स के साथ क्वालिफयर-1 खेलेगी। बेंगलुरु ने IPL में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। टीम ने 228 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। बेंगलुरु के कप्तान जितेश शर्मा ने 33 बॉल पर नाबाद 85 रन बनाए।

सात लोगों ने की आत्महत्या: सुसाइड नोट से खुला राज, मिल रही थीं धमकियां

पंचकूला ■

पंचकूला सेक्टर-27 में सोमवार की रात करीब 10.15 बजे सात लोगों के जहर खाकर आत्महत्या की घटना की गुत्थी अभी पूरी तरह से सुलझ नहीं पाई है। इस मामले की जांच पुलिस हत्या और सुसाइड दोनों ही एंगल से कर रही है। पुलिस को मौके से दो सुसाइड नोट मिले हैं।

पुलिस के साथ-साथ प्रवीन मित्तल के ससुर राकेश गुप्ता का कहना है कि करोड़ों का कर्ज होने के चलते प्रवीन परेशान थे। उन पर फाइनांसरों का दबाव भी था, इसलिए प्रवीन और उसके परिवार ने आत्महत्या कर ली। जहर खाकर मरने वालों में प्रवीन मित्तल (42), उनकी पत्नी रीना (38), मां विमला (71), पिता देशराज (72), जुड़वां बेटियां हिमशिखा व डलिशा (11) और बेटा हार्दिक (14) शामिल था। वहीं, हैंड राइटिंग की जांच के लिए पुलिस ने मौके से मिले सुसाइड नोट को फोरेंसिक लैब भेजे हैं। पुलिस उन फोन कॉल की भी जांच कर रही है, जो प्रवीन मित्तल को फाइनेंसरों की ओर से किए जा रहे थे। सवाल यह उठता है कि शाम करीब 6.40 बजे ही परिवार जब सेक्टर-27 में पहुंच गया था, तो उससे पहले ही कहीं तो जहर नहीं खा लिया था।

25 दिन पहले दोबारा पंचकूला शिफ्ट हुआ परिवार

साल 2007-2008 में प्रवीन मित्तल का परिवार देहरादून से पंचकूला शिफ्ट हुआ था। यहां पहले प्रवीन मित्तल ने बैंक से लोन लेकर स्क्रैप की फैक्टरी का कारोबार किया, जिसमें उनको करोड़ों रुपये का घाटा हो गया था। बैंकरप्ट होने के बाद प्रवीन ने देहरादून में फाइनेंसरों से कर्ज लेकर टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस किया लेकिन वह भी नहीं चला। इसके बाद प्रवीन दोबारा पिंजौर शिफ्ट हो गए, लेकिन फाइनेंसरों के दबाव के बाद प्रवीन पंचकूला से सेकेतड़ी में 25 दिन पहले किराये पर मकान लेकर परिवार के साथ रहने आ गए थे।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट में वीर सावरकर से जुड़ी याचिका खारिज, इसमें गांधी को निर्देश देने की मांग थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को विनायक दामोदर सावरकर से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सावरकर के खिलाफ नैरेटिव सेट करने और उनके नाम के गलत उपयोग को रोकने के निर्देश देने की मांग की गई थी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मामले की सुनवाई की। बेंच ने कहा- याचिकाकर्ता के किसी भी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है और इसलिए न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता। याचिका डॉ. पंकज फडनीस ने दायर की थी, जो कोर्ट में मौजूद रहे।

दरअसल, उन्होंने राहुल गांधी को सावरकर के खिलाफ कमेंट करने पर सजा के तौर पर सामुदायिक सेवा करने का निर्देश देने की मांग की थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि राहुल गांधी को वीर सावरकर के बारे में गैर-जिम्मेदाराना, अपरिपक्व और अपमानजनक टिप्पणी करने की आदत है। राहुल को जब सावरकर पर कमेंट करने के लिए उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में दोषी पाया गया, तो सजा के तौर पर उन्हें किसी सजा के बदले एक दिन के लिए मुंबई में सावरकर संग्रहालय में झाड़ू लगाने जैसी सामुदायिक सेवा करनी चाहिए।

अब नहीं दौड़ सकेंगे पुराने वाहन कबाड़ में भेजने के आदेश जारी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में लागातार बढ़ रहे एयर पॉल्यूशन को सुधारने की दिशा में कलेक्टर ने बड़ा फैसला लिया है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने पुराने वाहनों को लेकर परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि अब पूरे जिले में 20 साल से ज्यादा अवधि के निजी वाहन और 15 साल की अवधि से अधिक सरकारी वाहन सड़कों पर दौड़ते नजर नहीं आने चाहिए। सड़कों पर अगर ऐसा कोई वाहन दौड़ता पाया जाता है कि तो उसे तुरंत जब्त किया जाए, साथ ही ऐसे वाहन पर चालानी कार्रवाई कर छोड़ने के बजाए उसे परिवहन विभाग के स्क्रैप केंद्र भेजा जाए। वहीं, कलेक्टर रुचिका चौहान ने परिवहन विभाग से तीन दिनों के भीतर एक सूची भी मांगी है, जिसमें वाहनों की मैन्युफैक्चरिंग बताई गई हो। साथ ही, सरकार के प्रावधान को भी प्रस्तुत किया जाए, ताकि प्रावधानों के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई हो सके। कलेक्टर ने कहा कि, प्राप्त सूची के आधार पर वाहनों का चलना प्रतिबंधित किया जाएगा। ग्वालियर जिले में करीब 12 लाख 53 हजार वाहन रजिस्टर्ड हैं। इनमें 1 लाख 33 हजार निजी वाहन 20 साल से ज्यादा पुराने हैं।

भारत ने ट्रम्प के सलाहकार को लॉबिस्ट बनाया:सरकार हर महीने 12 करोड़ फीस देगी

वॉशिंगटन। भारत सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सीनियर एडवाइजर जेसन मिलर को वॉशिंगटन में अपना लॉबिस्ट अपॉइन्ट किया है। वहीं पाकिस्तान ने ट्रम्प के पूर्व बॉडीगार्ड कीथ शिलर को अमेरिका में अपना प्रतिनिधि बनाया है। यह कदम तब उठाया गया जब हाल ही में 7 मई से 10 मई तक 4 दिन संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान ने दुनिया भर में अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर दी हैं। भारत अमेरिका में अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए 1950 के दशक से लॉबिंग फर्मों का इस्तेमाल कर रहा है। भारत अब तक बीजीआर गवर्नमेंट अफेयर्स, स्क्वायर सैंडर्स एंड डेम्पसी और रोसेन एंड फ्रेड जैसी लॉबिंग फर्मों को सर्विस ले चुका है। 2019 में जब भारत ने कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था, तब भी अपनी पॉजिटिव इमेज बनाने के लिए अमेरिकी लॉबिंग फर्म कॉर्नरस्टोन गवर्नमेंट अफेयर्स की सर्विस ली थी।

मौसम विभाग ने जारी किया मानसून का नया अनुमान...

जून से सितंबर तक 106% बारिश संभव

नई दिल्ली ■

देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा ये 106% रह सकती है। पिछले महीने इसे 105% बताया गया था। वहीं, जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बताया, 'देश में जून के महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है, जो 108% हो सकती है। यानी इस दौरान 87 सेमी से ज्यादा बारिश का अनुमान है। इसे लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए कहा जाता है।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आस-पास के क्षेत्रों में इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है।

वहीं, पंजाब, हरियाणा, केरल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। मध्य और दक्षिण भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य, जबकि पूर्वोत्तर में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। मानसून के कोर जोन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें अधिकांश बारिश साउथ वेस्ट मानसून के दौरान होती है और यह रीजन खेती के लिए मानसूनी बारिश पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है।

क्या होता है लॉन्ग पीरियड एवरेज

इसका मतलब है कि मौसम विभाग ने 1971-2020 की अवधि के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) को 87 सेमी (870 मिमी) निर्धारित किया है। अगर किसी साल की बारिश 87 सेमी से ज्यादा होती है, तो उसे सामान्य से अधिक माना जाता है। अगर कम हो तो कमजोर मानसून माना जाता है। भारत सरकार ने आज एडवांस भारत फोरकास्ट सिस्टम (बीएफ) लॉन्च किया। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे देश को सौंपा। यह सिस्टम आपदा प्रबंधन, खेती, जल प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा में पंचायत स्तर तक मदद करेगा।

कांग्रेस बोली- प्रेम चोपड़ा-परेश रावल जैसे डायलॉग मार रहे मोदी गंभीर सवालों पर चुप्पी साधे

नई दिल्ली ■

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आर्तकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति कर रहे।

पवन खेड़ा ने कहा,- प्रधानमंत्री मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है। गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे हैं। क्या यही एक गंभीर नेता का व्यवहार होता है? कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार की विध्वंसकारी विदेश नीति के कारण हम अलग-थलग हो गए हैं। हमारी विदेश नीति का नतीजा ये है कि नेपाल-भूटान भी हमारे साथ नहीं खड़े हुए। जबकि संघर्ष के दौरान चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, मोदी सरकार की विदेश नीति का नतीजा ये है कि कुवैत ने पाकिस्तान पर से वीजा पाबंदियां हटा दी हैं।

मुख्यमंत्री उमर बोले- टूरिज्म मेरी जिम्मेदारी, सुरक्षा नहीं

अमरनाथ यात्रा का सफल समापन हमारी प्रतिबद्धता, मिलकर काम करना होगा

नई दिल्ली/श्रीनगर ■

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मंगलवार को पहलगाम पहुंचे। उन्होंने पहलगाम क्लब एंड कन्वेंशन सेंटर में स्पेशल कैबिनेट बैठक की। ऐसा पहली बार हुआ कि जब उमर सरकार के इस कार्यकाल में श्रीनगर या जम्मू के बाहर कैबिनेट मीटिंग की गई हो।

अब्दुल्ला ने कहा- जम्मू-कश्मीर में एक अजीब व्यवस्था है, क्योंकि टूरिज्म मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी नहीं है। टूरिज्म संघर्ष से अलग होना चाहिए,

इसे सामान्य स्थिति का पैमाना नहीं बनाना चाहिए। उमर ने कहा कि यहां तीन सरकारों को एक साथ काम करना होगा, जम्मू-कश्मीर की चुनी सरकार (उमर अब्दुल्ला की सरकार), जम्मू-कश्मीर में अनिर्वाचित सरकार (उपराज्यपाल का प्रशासन) और केंद्र सरकार। उमर ने जुलाई महीने से शुरू होने वाले अमरनाथ यात्रा के सुरक्षित और सफल समापन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। श्रीनगर, गुलमर्ग और युसमर्ग जैसे अन्य क्षेत्र व्यापार के लिए खुले हैं। यात्रा और पर्यटन दोनों की साथ में बहाली की जा सकती है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 टूरिस्ट्स की हत्या की गई थी। हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। इसी को बूस्ट करने की सोच को लेकर मीटिंग की गई।

राष्ट्रपति ने दिए 68 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली ■

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दूसरे फेज के पद्म अवॉर्ड्स दिए। इनमें लोकगायिका स्वर्गीय डॉ. शारदा सिन्हा समेत 68 हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। सेरेमनी में बिहार की दिवंगत लोक गायिका डॉ. शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राम मंदिर आंदोलन में शामिल रहीं साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्य के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

इससे पहले 28 अप्रैल को पहले चरण की अवॉर्ड सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। इनमें 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिए गए। सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। इनमें शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 13 हस्तियों को मरणोपरांत पुरस्कार दिए गए। 19 हस्तियों को पद्म भूषण के लिए चुना गया था। 113 हस्तियों को इस बार पद्म श्री से सम्मानित किया गया। पद्म पुरस्कार विजेताओं में 23 महिलाएं रहीं। इनमें 10 विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई कैटेगरी के लोग भी थे। दिवंगत कथक नृत्यांगना कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया और दिवंगत लोक गायिका शारदा सिन्हा का यह सम्मान लाखिया के पोते और सिन्हा के बेटे ने लिया। इस दौरान नौ पद्म भूषण नृत्यांगना और अभिनेता शोभना चंद्रकुमार, व्यवसायी नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, पुरातत्वविद् कैलाश नाथ दीक्षित, नर्तक जतिन गोस्वामी, अभिनेता अनंत नाग और साध्वी ऋतंभरा शामिल थीं।

व्यंग्य : जिनके पास सोना वे ही होंगे खुश : बाकी को दुख : क्यों..?

शीर्षक में क्यों का कारण जानते हैं और वह यही है कि सोने के भाव वर्तमान में रिकॉर्ड ऊंचाई पर आ चूके हैं और जिनके पास थोड़ा भी सोना है वे खुश हैं और देश में करोड़ों परिवार ऐसे हैं जो सीमित आय में घर खर्च मुश्किल से चला पाते हैं, उन परिवार की महिलाओं के लिए सोना खरीदना सपना बना हुआ है. आज 1 लाख के आसपास का 10 ग्राम सोना जिनके पास है 2030 तक उन्हें अथाह खुशी मिल सकती है कि मात्र 5 साल में 20 ग्राम सोना 15 लाख का हो जाएगा यानी प्रति 10 ग्राम 7.50 लाख..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

20 ग्राम वाले लखपति, 100 ग्राम में करोड़पति, डेढ़ किलो में अरबपति..!

देश की करीब 144 करोड़ की आबादी में आज भी अधिकांश गरीब हैं. मोदी सरकार की मुफ्त राशन योजना का लाभ लेने वाले ही 80 करोड़ हैं तो यह मान सकते हैं कि इन परिवारों के पास सोना यानी गोल्ड खरीदने की क्षमता नहीं है. अब बाकी आबादी में मध्यम, निम्न मध्यम व अमीर ही बचते हैं.वैसे एक अनुमान के अनुसार भारतीय परिवारों में 25 हजार टन सोने का स्टॉक है. जिन परिवारों में महिलाओं को उनके पतियों ने सोने के जेवर बनवा कर दिए उन परिवारों को एक रिपोर्ट बेहद खुश कर सकती है, क्योंकि आज जिनके पास 20 ग्राम भी सोना है वे करीब 2 लाख के मालिक तो हैं, लेकिन मात्र 5 साल बाद जब सोना प्रति 10 ग्राम 7.50 लाख का हुआ तो ऐसे परिवार 15 लाख की कार लेने के काबिल हो जाएंगे. क्या है रिपोर्ट जानते हैं जो लखपति को करोड़पति व करोड़पति को अरबपति बना देगी..जिन महिलाओं के पास सिर्फ 100 ग्राम सोना तो वे 7.5 करोड़ की मालिक यानी करोड़पति और 1 किलो होने पर 75 करोड़ जबकि डेढ़ किलो की स्थिति में अरबपति हो जाएंगे..?शुक्रवार 25 मई को राजधानी दिल्ली में सोना 100 रुपये की तेजी के साथ 98,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया. सोने की कीमतों में लगातार उछाल दिखा है.इसी बीच, ऐसी भविष्यवाणी की गई है कि अगले पांच वर्षों में सोने की कीमत 8,900 डॉलर यानी 7 लाख 55 हजार रुपये तक पहुंच सकती है.लिकटेंस्टीन स्थित निवेश और परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म इंक्रीमेंटम की 'गोल्ड वी ट्रस्ट रिपोर्ट 2025' में यह बात कही गई है.सोने की कीमत 4800 से 8900 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है.रिपोर्ट के अनुसार सोना लंबे समय के लिए तेजी के दौर में बना हुआ है.विशेषज्ञों का मानना है कि 4,800 से 8,900 डॉलर का पूवार्नुमान इस बात पर निर्भर करता है कि अगले पांच साल में महंगाई का कैसा रुख रहेगा. मौद्रिक नीति और भू-राजनीतिक गतिशीलता भी सोने की कीमतों पर प्रभाव डाल सकते हैं.निवेशकों को ध्यान देने की जरूरत है.रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि सोने की कीमतों में तेजी थोड़े समय की बात नहीं है. यह लंबे समय तक चलने वाला रुझान हो सकता है इसलिए निवेशकों को इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, हालांकि सोने में तेजी से उतार- चढ़ाव होता है इसलिए सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है.

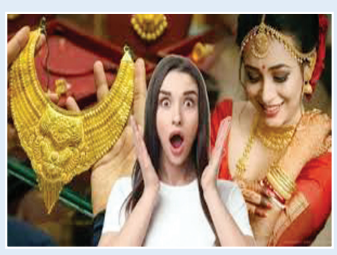

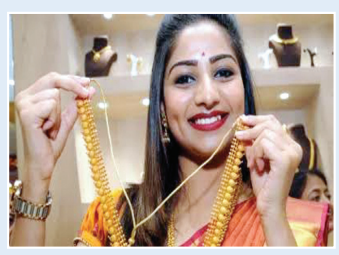

प्रधानमंत्री बोले- ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया ताकि कोई सबूत न मांगे

अहमदाबाद ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर बात की। उन्होंने कहा, 'हमने आतंकवाद के 9 ठिकाने तय करके 22 मिनट में उन्हें ध्वस्त कर दिया। और ये सब कुछ कैमरे के सामने किया, ताकि कोई सबूत न मांगे।'

ऐसा माना जा रहा है कि मोदी ने यह बात उरी आतंकी हमले के बाद ढड्ढड में की गई भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर की। तब विपक्ष ने लगातार इसके सबूत मांगे थे। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान जानता है कि वो सीधी लड़ाई में हमसे जीत नहीं सकता है इसीलिए वो आतंकवादी भेज रहा है। उनके यहां मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तानी झंडे लगाए गए, यह कोई प्रॉक्सी वॉर नहीं है।' मोदी 2 दिन के गुजरात दौरे पर थे।

मां अहिल्या के आदर्शों से प्रेरित भाजपा का लोककल्याण और विकास अभियान', महापौर पुष्यमित्र भार्गव बोले

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मां अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जन्मशती के अवसर पर, उनके न्यायप्रिय, नीतिपूर्ण और लोककल्याणकारी सुशासन की परंपरा को स्मरण करते हुए इंदौर नगर निगम द्वारा महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में ₹सुशासन और महिला सशक्तिकरण का पयार्य: मां अहिल्या बाई होलकर₹ विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिवप्रकाश रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने की। कन्वेंशन सेंटर के कार्यक्रम के बाद शिवप्रकाश ने भाजपा नेताओं की भी बैठक ली और इंदौर में हो रहे कार्यो की जानकारी ली।

बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण की नीतियां देवी अहिल्याबाई होल्कर की नीतियों से प्रेरित हैं। उनके जीवन से देश की प्रत्येक नारी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने देवी अहिल्या बाई की सेवा, त्याग, तपस्या, सुशासन, लोक कल्याण और धर्म व आध्यात्म को लेकर किए गए कार्यों की विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकारों के अंत्योदय का लक्ष्य सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ सभी को पक्का आवास दिलाना है, जो देवी अहिल्याई के शासन व्यवस्था से प्रेरित है। उन्होंने जिस तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार किए और बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्यालय खोले तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया।

मां अहिल्या के काम को आगे बढ़ रही सरकार

इससे पहले कन्वेंशन सेंटर में हुए कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा इंदौर माता अहिल्या की कर्मभूमि और शासन का केंद्र रहा है। उनकी 300वीं जयंती पर इंदौर सहित देश और विदेशों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। माता अहिल्या का सुशासन, लोककल्याण के कार्य, और महिला सशक्तिकरण के उदाहरण आज भी प्रासंगिक हैं। पंचायत से लेकर संसद तक सुशासन की अवधारणा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेती है। शिवप्रकाश ने कहा अहिल्या बाई का जीवन विषम परिस्थितियों में भी न्याय, विकास और जनकल्याण का अद्वितीय उदाहरण है। पशुपालन, मसालों की खेती, बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाना, सैनिकों की विधवाओं को पेंशन, महिलाओं को सेना में अवसर देना, ये सभी कार्य उन्होंने 300 वर्ष पहले किए, जिन पर आज भी सरकारें काम कर रही हैं। उनके विचार आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं।

किन्नर समाज ने कहा हम भी शिव के उपासक

इंदौर जनपद पंचायत अध्यक्ष विश्वजीत सिसोदिया ने कहा महापौर ने ग्रामीण प्रतिनिधियों को शहर के मंच पर स्थान देकर एक महत्वपूर्ण पहल की है। माता अहिल्या के आदर्शों को आत्मसात कर हम ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी और महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में किन्नर समाज से खुशबू गुरु ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा, हम अपने माता-पिता को खो चुके हैं, लेकिन इस मंच पर सम्मान पाकर गर्व महसूस कर रहे हैं। माता अहिल्या शिव उपासक थीं और हम भी हैं; उनका आदर्श हमारे लिए प्रेरणा है।

प्याज के भाव 20 रु. किलो दिए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्याज के दाम इस समय मंडियों में 50 पैसे प्रति किलो से लेकर 4 रु प्रति किलो मिल रहे हैं वर्तमान में प्याज उत्पादक किसानों को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने देपालपुर तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन कर सैकड़ो किसानों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन संयुक्त किसान मोर्चा के नेता बबलू जाधव चंदन सिंह बड़वाया,शैलेंद्र पटेल ,आशीष पटेल आदि ने बताया कि प्याज उत्पादक किसान इन दोनों भारी संकट में है प्याज की फसल तैयार करने में काफी लागत लगती है महंगे खाद ,दवाई, डीजल मजदूरी ,सभी खर्च को जोड़े तो किसान लगातार फसलों के दाम नहीं मिलने से कर्ज के बोझ में दबता जा रहा है

ज्ञापन में मांग की गई है ?20 प्रति किलो के दाम सरकार निर्धारित करें या फिर भावांतर योजना के तहत किसानों का प्याज खरीद कर भुगतान करें आगामी दिनों मे सरकार इस और ध्यान नहीं देती है तो किसान सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे ज्ञापन में प्रमुख रूप से प्रवीण ठाकुर अर्जुन सांकला, ओमप्रकाश ठाकुर,सचिन सांकला ,कृपाराम नेताजी बलदेव सरपंच , प्रकाश पटेल आशीष पटेल, सेलू पटेल , मनोज राठौर , लालचंद सोलंकी,शिवम ठाकुर, अर्जुन परमार ,मुकेश बडवाया ,दीपेश बढ़वाया महेश पंवार ,देवकरण सोलंकी ,रोहन बड़वाया ,कान्हा बॉस ,धारा सिंह सोहन जादव ,राजकरण डोड ,विष्णु डोड ,जितेंद्र बड़वाया ,शंकर उमट, विकास डोड आदि शामिल थे

सांवेर विधानसभा क्षेत्र के किसानों का प्रतिनिधिमंडल लेकर मुख्यमंत्री से मिले मंत्री सिलावट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आज भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अगुवाई में किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने ग्रीन कॉरिडोर के निर्माण में किसानों से संबंधित विषयों पर मुख्यमंत्री जी से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से संबंधित विषयों पर संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इंदौर में यलो लाइन रूट पर चलेगी मेट्रो, मोदी 31 मई को भोपाल से दिखाएंगे हरी झंडी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब मेट्रो युग में प्रवेश करने जा रहा है। इंदौरवासियों ने 40 साल पहले टेंपो का भी दौर देखा है और अब शहर आधुनिक यातायात साधन के रूप में मेट्रो युग की ओर छलांग लगा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में इंदौर मेट्रो कॉरिडोर पर यात्री सेवा का वर्चुअली शुभारंभ करेंगे।

सुपर कॉरिडोर पर गांधीनगर से टीसीएस चौराहे तक बना यह लगभग सात किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का कॉरिडोर है, इसमें पांच स्टेशन होंगे। यात्री गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन पर रुक सकेंगे।

यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा। साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा, हालांकि, इस रूट पर अभी बसाहट नहीं है, इसलिए मेट्रो ट्रेन को यात्री ज्यादा नहीं मिलेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने मंगलवार को गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरूआत इसी स्टेशन से होगी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। पांच स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए गए हैं। मेट्रो कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। एक ट्रेन में 800 यात्री सफर कर सकेंगे।

6 किलोमीटर रूट का होगा उद्घाटन

इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबा मेट्रो का रूट है। इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के पहले चरण के प्रोजेक्ट की लागत करीब आठ हजार करोड़ रुपये है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई पर केस दर्ज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जमीन पर कब्जे के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी समेत इंदौर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने जमीन पर जबरन कब्जा किया और शिकायतकर्ता नरेंद्र मेहता को धमकाया। तेजाजी नगर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4), 336, 337, 338, 339 और 340 के तहत केस दर्ज किया है।

नरेंद्र मेहता, जो महावीर बाग के निवासी हैं, उन्होंने पुलिस में यह केस दर्ज करवाया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 29 मार्च 2025 को यादव और पटवारी के समर्थकों ने उनकी ग्राम उमरी खेड़ी में स्थित साढ़े छह एकड़ जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया। यादव 15-20 लोगों के साथ वहां आए और उन्हें डराकर जमीन से बाहर कर दिया। मेहता का आरोप है कि सभी आरोपी अब उस जमीन पर कॉलोनी डेवलप कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उसका प्रचार भी शुरू कर दिया गया है। नरेंद्र मेहता ने बताया कि यह जमीन होलकर रियासत द्वारा फरवरी 1939 में नारायण पलसीकर को इनाम स्वरूप दी गई थी। उनके पिता नवरतनमल जैन ने 1950 में इस जमीन को विक्रय संधि के तहत खरीदा था और उसी समय से इस पर उनका वैध अधिकार है। प्रदेश की राजस्व संहिता के अनुसार, वे इस जमीन के कानूनी मालिक हैं। इसके बावजूद, आरोपियों ने जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की और फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन के रिकॉर्ड में भी हेरफेर की है। मेहता ने इस बाबत राजस्व अधिकारियों को भी शिकायत की है। नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने जमीन पर अपनी वैधता का दावा किया और शिकायत दर्ज कराई, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

महालक्ष्मी नगर स्थित 33/11 केवी के ग्रिडों का निरीक्षण किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने मंगलवार को इंदौर शहर के ईएसआई, एलआईजी, शालीमार टाउनशिप और महालक्ष्मी नगर स्थित 33/11 केवी के ग्रिडों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रिडों में हुए क्षमता वृद्धि के कार्यों, मेंटेनेंस, ट्रिपिंग में कमी, उपभोक्ता सेवाओं, सुरक्षा मापदंडों के पालन इत्यादि विषयों पर जानकारी ली। श्री सिंह ने ग्रिड ऑपरेटरों से सीधा संवाद भी किया।

विशेष चैकिंग अभियान के दौरान रसोमा चौराहा पर पकड़ में आई चोरी की गाड़ी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात हेतु नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व पुलिस उपायुक्त, यातायात श्री अरविंद तिवारी के दिशा निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं, इस दौरान नियमो का उल्लंघन करने पर सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। जिसके परिणामस्वरूप कई चोरी के वाहन भी पकड़ में आये है।

यातायात जोन-2 एसीपी श्री मनोज खत्री के नेतृत्व में सघन जागरूकता अभियान के दौरान आज दिनांक 27 मई 2024 को रसोमा चौराहा पर विशेष चैकिंग की जा रही थी। सुबह लगभग 10:30 बजे विशेष चैकिंग के दौरान मोटर साइकिल क्रमांक MP45 ZB 3122 का चालक अपने एक अन्य साथी के साथ उक्त वाहन को धकाते हुए ला रहा था जब उससे पूछा गया कि, क्या हुआ तो उसने कहा पेट्रोल खत्म हो गया, इस पर आरक्षक शेर सिंह ने संदिग्धता के आधार पर संबंधित को साइड में बुलाते हुए पेपर के बारे में पूछा तो चालक ने कहा कि आप तो मेरा चालान बना दें मुझे जल्दी है।

एथलीट सांखला महिलाओं को आत्म सुरक्षा का प्रशिक्षण देकर बना रही सशक्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

महिला सशक्तिकरण और कुशल प्रशासन की पर्याय पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर ने जिस जज्बे और संकल्प के साथ इंदौर में शासन किया, उसी से प्रेरणा लेकर इंदौर की एक महिला एथलीट सुश्री सुरभि सांखला अपने बौद्धिक और खेल क्षमता से सबकों प्रेरित कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला एथलीट सुश्री सुरभि सांखला आज बालिकाओं से लेकर महिलाओं को आत्म सुरक्षा का प्रशिक्षण देकर उनको शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त करने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का पाठ भी पढ़ा रही है। सुरभि का मानना है कि

समाज यदि लड़कियों को बेहतर अवसर प्रदान करें, तो वे स्वयं को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक दृष्टि से परिवार को मजबूत बनायेंगी ही, साथ ही सशक्त और खुशहाल समाज का निर्माण भी करेगी। लड़कियों को जितना पढ़ाना जरूरी, उतना ही उसे आत्मनिर्भर बनाना भी ताकि वह दूसरों पर निर्भर नहीं रहें। सामान्यतः मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स खेल में पुरूष ही अधिक रूचि लेते है क्योंकि इसके लिए शारीरिक रूप से मजबूत होने के साथ मानसिक रूप से भी दृढ़ होना जरूरी है, यह जानने के बाद भी सुरभि ने इस खेल को अपनाकर इस मिथक को तोड़ा है। आने वाले दिनों में सुरभि एक ऐसी अकादमी खोलना चाहती है, जहाँ लड़कियां पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकें। सुरभि स्वयं मिक्सड मार्शल आर्ट्स की अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर एथलीट हैं। उन्होंने इस खेल को न केवल अपनाया, बल्कि देशी और विदेशी सरजमीं पर बेहतर प्रदर्शन कर 38 से अधिक पदक अपनी झोली में भी डाले।

मौन से पाएँ आत्मिक शांति...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, मौन सिर्फ़ चुप रहने या आवाज ना करने का नाम नहीं है। यह तो एक बहुत ही गहरा अनुभव है, जहाँ हर विचार या हर रचना या फिर हर सृजन की शुरुआत होती है। अगर आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि इस दुनिया की हर सुंदर चीज की नींव मौन में ही रखी गई है। अगर सहमत ना हों तो जरा विचार कर देखिए कि एक चित्रकार अपनी कल्पना को कैसे और कहाँ से आकार देता है? आपका जवाब होगा, 'एकदम शांत माहौल में, कुछ विचारों के साथ, सफेद पृष्ठभूमि वाले खाली कैनवास पर।' सही कहा ना मैंने? इसी तरह जब कोई संगीतकार संगीत रचता है, तो सुरों के बीच का मौन ही उसे प्रभावशाली बनाता है। ठीक इसी तरह, हमारे मन में जो विचार आते हैं, वे भी एक गहरी चुप्पी से ही जन्म लेते हैं।

इसलिए मेरा बड़ा स्पष्ट मानना है कि मौन के बिना किसी भी विषय की साधना अधूरी ही रहती है। अर्थात् अगर आप किसी क्षेत्र विशेष में विशेषज्ञता चाहते हैं, तो मौन की

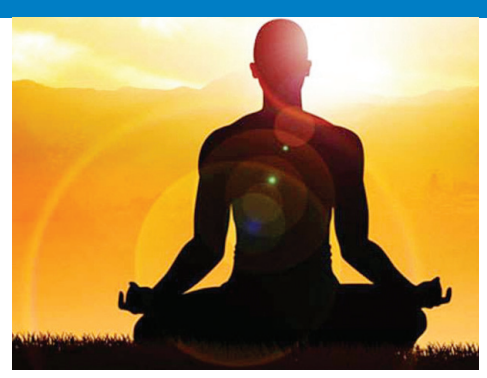

ताक़त को आज़माइये। लेकिन उससे पहले आपको मौन को साधना होगा; उस तक पहुँचना होगा। इसका सर्वश्रेष्ठ तरीका ध्यान है क्योंकि ध्यान के माध्यम से जब आप खुद से जुड़ते हैं याने बाहरी दुनिया के शोर से कटकर, खुद की साँसों से जुड़ते हैं, तब आप मौन की शक्ति का अनुभव करते हैं। यही वे क्षण होते हैं जब मौन हमें सच्ची स्वतंत्रता और भीतर की शक्ति का अनुभव कराता है।

वैसे ध्यान के अतिरिक्त अनावश्यक बोलने से बचना याने चुप रहना भी आपको बेहतर बनने में मदद करता है। दूसरे शब्दों में कहूँ तो चुप याने मौन रहना हमें वह समझ देता है, जो अनावश्यक शोर या प्रतिक्रियात्मक लहजे में नहीं मिलता है। यह हमें निम्न बातें सिखाता है

1) हमें कब बोलना है और कब चुप रहना है।
2) सच बोलना क्यों ज़रूरी है.
3) माफी कैसे माँगनी चाहिए।
4) और सबसे अहम, बिना दूसरों को दोष दिए अपनी गलतियों की जिम्मेदारी कैसे लेनी चाहिए।

दोस्तों, मौन का एक लाभ और है, यह हमें खुद से मिलने का मौक़ा देता है। जी हाँ! मौन ही हमें अपनी सोच, अपनी भावनाओं और अपनी कमजोरियों को पहचानने का अवसर देता है। खुद को पहचानने का यही पल, आत्म-जागरूकता लाता है, जो सच्ची परिपक्वता की निशानी है। लेकिन आज की भागदौड़ और शोरगुल भरी इस दुनिया में मौन एक दुर्लभ चीज़ बन गई है। हम भूल गए हैं कि यही मौन हमें स्थिरता, स्पष्टता और आंतरिक बल देता है। जब हम थोड़ी देर के लिए रुकते हैं, आँखें बंद करते हैं और भीतर की शांति को सुनते हैं, तब हमें असली आज़ादी महसूस होती है। इसलिए दोस्तों, आज, एक मिनट के लिए अपनी सोच को, काम को, बातचीत को याने सब चीजों को रोकिए और बस शांति से बैठिए और अपने अंदर के मौन को सुनिए। वहीं से सच्चा आनंद, सच्ची समझ और सच्ची शक्ति जन्म लेती है। इसलिए, शांत रहिए, सजग रहिए, और अपने भीतर की शक्ति को महसूस कीजिए। याद रखिएगा, मौन कोई कमजोरी नहीं, बल्कि वह ताक़त है जहाँ से जीवन की सबसे बड़ी समझ और बदलाव शुरू होते हैं। इसलिए मौन को अपनाइए, खुद को जानिए और दुनिया को एक नए नज़रिए से देखिए।

इंदौर में लव जिहाद को लेकर करणी सेना का ज्ञापन, जिम ट्रेनर्स पर निगरानी की मांग

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में कथित रूप से लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं को लेकर श्री राजपूत करणी सेना ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर के नाम ज्ञापन सौंपा। करणी सेना ने ज्ञापन में शहर में संचालित जिम केंद्रों पर विशेष ध्यान देने की मांग की, खासकर उन जिम में कार्यरत मुस्लिम ट्रेनर्स पर, जिन पर आरोप लगे हों या जिनकी पृष्ठभूमि संदिग्ध हो।

ज्ञापन में हाल ही के एक चर्चित मामले का हवाला दिया गया, जिसमें मोहसिन खान नामक एक मुस्लिम युवक द्वारा पहचान छिपाकर एक हिंदू युवती से संबंध बनाने का आरोप है। करणी सेना ने इस प्रकरण को लव जिहाद का उदाहरण बताया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। श्री राजपूत करणी सेना के नगर

अध्यक्ष नितिन ठाकुर ने कहा, शहर में पहचान छिपाकर हिंदू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे लोगों पर निगरानी और कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। जिम जैसे स्थानों पर युवतियां असुरक्षित महसूस न करें, इसके लिए पुलिस को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। ज्ञापन में सुझाव दिया गया है कि सभी जिम संचालकों को निर्देशित किया जाए कि जिन ट्रेनर्स पर कोई आपराधिक रिकॉर्ड हो या जिनकी पृष्ठभूमि संदेहास्पद हो, उन्हें जिम में नियुक्त न किया जाए। साथ ही, ऐसे लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य किया जाए। करणी सेना ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो वे जन आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ज्ञापन में श्रीराजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष जयदीप सिंह चौहान, नगर उपाध्यक्ष अमित रघुवंशी, अनमोल सहित तमाम कार्यकर्ता शामिल हुए।

अतिवृष्टि/बाढ़ आपदा की स्थिति के नियंत्रण हेतु पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आज

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा से निपटने एवं नियंत्रण के संबंध में सभी संबंधित विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैठक 28 मई को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष क्रमांक-102 में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है।

मेघालय के जंगलों में लापता इंदौर का दंपती; 50 लोगों की टीम कर रही तलाश, गाइड के बिना निकले थे सफर पर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले में इंदौर के एक दंपती की तलाश के लिए पुलिस और गांव वालों ने बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को दी। दंपती, राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम, 23 मई को नोंग्रियाट गांव के एक होमस्टे से चेकआउट करने के बाद मावलाखाइट गांव की ओर बिना किसी गाइड के निकल गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनकी मोबाइल लोकेशन आखिरी बार मावलाखाइट गांव में पाई गई थी।

ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने पीटीआई को बताया, राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम की तलाश के लिए 50 से ज्यादा लोगों की टीम बनाई गई है। हर टीम में 10 लोग हैं, जिनमें गांव के लोग और विलेज डिफेंस पार्टी के सदस्य भी शामिल हैं। दंपती द्वारा किराए पर ली गई स्कूटी 23 मई को सोहरारिम गांव में लावारिस हालत में मिली थी, जो कि वहां से करीब 50 किलोमीटर दूर है। इसके बाद गांव वालों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस जांच में पता चला कि दंपती ने पहले नोंग्रियाट गांव में गाइड के साथ 'लिविंग रूट्स ब्रिज' देखा था और वहीं रात गुजारी थी। सर्च ऑपरेशन सूरज ढलने के बाद रोका गया है, लेकिन बुधवार को फिर से ज्यादा संख्या में लोग इसमें लगाए जाएंगे, एसपी ने बताया। इससे पहले इसी साल एक हंगेरियन पर्यटक 'लिविंग रूट्स ब्रिज' की ट्रेकिंग के दौरान लापता हो गया था और 12 दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने उसकी मौत में किसी साजिश की बात से इनकार किया है। मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया कि वह गिरने से मरा था। इसके बाद राज्य सरकार ने पर्यटकों को सलाह दी थी कि वे ट्रेकिंग या बाहर घूमने के दौरान किसी गाइड को साथ लें ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे।

सुगम्य भारत अभियान का प्रशिक्षण सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों को सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के अधिकारी-कर्मचारियों को एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

देवी अहिल्या बाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट इंदौर के अधिकारियों, कर्मचारियों व एयर लाइन्स स्टॉफ को सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का शुभारंभ एयरपोर्ट डायरेक्टर वी. के. सेठ ने किया। प्रथम सत्र में पवन चौहान, नितिंद्र बड़जात्या, डॉ. डॉली जोशी व अन्तराष्ट्रीय पैरा ओलम्पिक एथलीट पूजा गर्ग ने प्रशिक्षण दिया। दूसरे सत्र में बधिरता से सम्बन्धित दिव्यांगजनों को आने वाली समस्याओं और उसके निदान पर प्रकाश डाला गया। बौद्धिक दिव्यांगजनों को एयरपोर्ट पर आने वाली कठिनाई और उसे किस तरह से दूर किया जाना चाहिए कि जानकारी दी गई।

ब्लेक स्पॉट्स को मिशन मोड पर लें और ट्राफिक इंजीनियरिंग से उसका परिशोधन करें: संभागायुक्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर (ग्रामीण) जोन के अंतर्गत ब्लेक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने इंदौर (ग्रामीण) अंतर्गत 91 चिन्हित ब्लेक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में आईजी श्री अनुराग, डीआईजी श्री निमिष कुमार, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इंदौर के परियोजना निदेशक श्री सुमेश बांझल, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री सी.एस. खरत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इंदौर (ग्रामीण) जोन में सभी सड़कें फ्लायओवर, पुल-पुलिया आदि अच्छे बन रहे हैं। इससे सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों सहित नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इन सबके बावजूद इंदौर (ग्रामीण) जोन में सड़क हादसे हो रहे हैं। श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी कार्ययोजना बनाएं जिससे ब्लेक स्पॉट्स की संख्या में कमी आएं। कार्ययोजना शार्ट टर्म और लॉग टर्म दोनों प्रकार की हो सकती है। जैसे कहीं पर रोड़ संकेतक, डिवायडर, बेरिकेट आदि भी लगा सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, प्रशासन आदि विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें और एक निश्चित समयावधि में उसे पूरा करें। इस कार्य को मिशन मोड पर लें और प्राथमिकता के साथ उसे पूरा करें। अधिकारी ब्लेक स्पॉट्स पर जाकर देखें कि वहां पर किस तरह की ट्राफिक इंजीनियर की आवश्यकता है और उसे किस प्रकार दूर किया जा सकता है।

यातायात पुलिस के विशेष चैकिंग अभियान के परिणामस्वरूप पकड़ में आ रही चोरी हुई गाड़िया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात हेतु नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व पुलिस उपायुक्त, यातायात श्री अरविंद तिवारी के दिशा निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं, इस दौरान नियमो का उल्लंघन करने पर सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। जिसके परिणामस्वरूप कई चोरी के वाहन भी पकड़ में आये है। यातायात जोन-2 एसीपी श्री मनोज खत्री के नेतृत्व में सघन जागरूकता अभियान के दौरान आज दिनांक 26 मई 2025 को रेडिसन चौराहा पर शाम 7:30 बजे विशेष चैकिंग की जा रही थी। स्टार चौराहे की तरफ से आती हुई स्कूटी क्रमांक एमपी 09 यू एक्स 2652 को टीम यातायात प्रबंधन रेडिसन द्वारा रोका गया। चालक से दस्तावेज मांगे गए तो चालक ने कहां कि गाड़ी मेरे भाई के नाम पर है, मैं पेपर बुला लेता हूं इस पर आरक्षक जितेंन्द्र द्वारा चालक का लाइसेंस एवं चाबी अपने पास रखकर संबंधित का फोटो खींचते हुए कहा गया कि ठीक है आप पेपर मंगवा लीजिए । जब तक टीम दूसरे वाहनों को चेक कर रही थी चालक मौका पाकर वहां से निकल गया। जब काफी देर तक वापस नहीं आया तो गाड़ी को संदिग्धता के आधार पर पीओएस मशीन द्वारा सर्च किया गया तो गाड़ी का चोरी होना पाया गया। जिसका अपराध क्रमांक थाना शिप्रा में 159/2024 धारा 379 पंजीबद्ध है। जानकारी निकालने पर वाहन मालिक का नाम संतोष पिता गुमान सिंह वर्मा निवासी ओमेक्स सिटी टू मंगलिया पाया गया।

300वां जन्म जयंती वर्ष

स्वावलंबी महिला सशक्त राष्ट्र

लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

भोपाल - 31 मई, 2025

लोकमाता देवी अहिल्याबाई से प्रेरित

मध्यप्रदेश लिख रहा नारी सशक्तिकरण का नया अध्याय

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

अपनी उद्यमशीलता को दें नई पहचान

स्व-सहायता समूह सम्मेलन एवं उद्यमिता मेला

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

28 मई, 2025 | अपराह्न 1:30 बजे | सारणी, जिला बैतूल

अब तक 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं

D-11029/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

अब तक 1,600 से अधिक उत्कृष्ट-प्रतिभाओं एवं समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित किया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि वर्ष 2005 से लेकर अब तक 1,600 से अधिक उत्कृष्ट-प्रतिभाओं एवं समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित करने वाला : अखिल सर्वनागर हाटकेश-मंच, अपना 5इँ विश्वस्तरीय हाटकेश सर्वनागर प्रतिभा-सम्मान समारोह, दिनांक 24 एवं 25 मई, 2025 को धामनोद के श्री-पारेश्वर सेवाधाम आश्रम में, आयोजित कर चुका है, जिसमें 251 से अधिक उत्कृष्ट-प्रतिभा एवं समर्पित-समाजसेवी सम्मानित हुए।

यह भी उल्लेखनीय है कि विगत माह 11 अप्रैल, 2025 को हाटकेश्वर-प्राकट्योत्सव से ऑनलाइन प्रतिभा ओलंपियाड का प्रारंभ करते हुए, इस बार हाटकेश मंच का डिजिटल-प्लेटफॉर्म : 41,000 से अधिक मोबाइल स्क्रीन पर देखा जा चुका है। चयनित उत्कृष्ट प्रतिभाओं की उपलब्धियों को व्यापक स्वरूप प्रदान करने में हाटकेश-मंच अपनी अभूतपूर्व भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2021 से शुरू किया गया यह डिजिटल प्लेटफॉर्म, इसी वर्ष, प्रतिभा-सम्मान के सामाजिक सेवाक्षेत्र में 100 से अधिक वीडियो जारी करने वाला, सर्वनागर समुदाय का पहला डिजिटल-चैनल बन चुका है, जो विगत 4 वर्षों में 1,21,000 मोबाइल स्क्रीन पर देखा जा चुका है। ऑनलाइन प्रतिभा-ओलंपियाड की स्वर्णिम-सफलता उपरांत यद्यपि दिनांक 11 एवं 12 मई, 2025 को यह ऑफलाइन आयोजन होना था, किंतु भारत एवं पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव एवं युद्ध की स्थिति को ध्यान में रखकर राष्ट्रहित, संस्थाहित एवं व्यक्तिगत सुरक्षा-कारणों से इसे स्थगित किया गया था। दिनांक 24 मई, 2025 (शनिवार) को उपलब्धि-वर्ष 2023 हेतु जारी मेरिट सूची अनुसार, सत्र 2023-24 की चयनित उत्कृष्ट-प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, इसीप्रकार

दिनांक 25 मई, 2025 (रविवार) को उपलब्धि वर्ष 2024 हेतु जारी मेरिट सूची अनुसार, सत्र 2024-25 की चयनित उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान शामिल किया गया। दो दिवसीय इस भव्य आयोजन का प्रारंभ, भगवान हाटकेश्वर के रुद्राभिषेक एवं सामूहिक-आरती से हुआ, जिसके मुख्य यजमान रहे श्रीमती दुगार्जी गुप्ता, श्री किशोरीलालजी गुप्ता एवं श्रीमती गायत्रीजी गुप्ता, सेंधवा । प्रति-दिवस सुबह 09:00 बजे से 10:00 बजे तक शामिल प्रतिभाओं, उनके परिजनों एवं आमंत्रित-अतिथियों का स्वागत एवं पंजीयन किया गया। सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, भोजन प्रसादी के आयोजन उपरांत, शाम 05:00 बजे तक प्रतिदिवस निर्धारित उत्कृष्ट प्रतिभाओं एवं समाजसेवियों का सम्मान किया गया। इस भव्य-आयोजन का सफल संचालन, प्रथम-दिवस हाटकेश-शिरोमणी सुश्री प्रेरणाजी गुप्ता, खरगोन द्वारा तथा द्वितीय दिवस हाटकेश-शिरोमणी श्री राहुल जी गुप्ता, सेंधवा द्वारा किया गया। स्वागत-भाषण, हाटकेश-शिरोमणी श्री मुकेशजी गुप्ता, धामनोद द्वारा एवं श्री प्रवीण कुमार मंडलोई, इंदौर द्वारा प्रत्येक दिवस की समाप्ति पर आभार व्यक्त किया गया। इस भव्य आयोजन हेतु गुरुदेव श्यामदासजी महाराज की आध्यात्मिक-उपस्थिति में मुख्य रूप से आमंत्रित अतिथियों की श्रृंखला में उत्कृष्ट-समाजसेवी : डॉ हेमंतजी नागर, जोबट; डॉ. तेजप्रकाशजी व्यास, इंदौर; डॉ. सुंदरलालजी गुप्ता, खंडवा; श्री रविंद्रजी सुगंधी, इंदौर; डॉ. रविंद्रजी मंडलोई, घुघरियाखेड़ी; क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री विजयजी गुप्ता, धामनोद एवं क्षेत्रीय-अतिथि श्री शांतिलालजी विश्वकर्मा आदि ने मंचासीन हाटकेश-मंच पदाधिकारियों के साथ, समस्त उत्कृष्ट-समाजसेवियों एवं चयनित-प्रतिभाओं को अपने करकमलों से सम्मानित किया। प्रतिदिन सम्मान-समारोह की शुरूआत, ईश-वंदना से करते हुए, आमंत्रित-अतिथियों को हाटकेश-मंच के शीर्षस्थ-पदाधिकारियों की अगवानी में स्वागत कर, मंचासीन किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने वाले, उत्कृष्ट पदाधिकारियों एवं संचार-प्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए, उन्हें स्मृति-चिह्न की भेंट की गई। प्रत्येक स्तर के समापन के साथ ही, संबंधित आमंत्रित-अतिथि का उद्बोधन भी शामिल किया गया। प्रत्येक दिवस शाम 05:00 बजे, सामूहिक-आरती के साथ आयोजन का समापन हुआ। इस दो दिवसीय भव्य ऑफलाइन प्रतिभा-ओलंपियाड की सफलता पर विभिन्न स्तर की उत्कृष्ट प्रतिभाओं, उनके परिजनों, आमंत्रित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को बधाई देकर, आगामी आयोजन हेतु शुभकामनां प्रेषित कीं।

श्रावण मास में भव्य रामकथा करवाने हेतु एक बैठक संपन्न

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। कल सेंधवा में श्रावण मास में भव्य रामकथा करवाने हेतु एक बैठक संपन्न हुई बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एकल श्री हरि वनवासी ट्रस्ट के मक्खन किशोर गोयल ओर नगर कथा आयोजन प्रमुख बिहार के भामिनी भूषण एवं गोपाल तायल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें दिनांक 22 जुलाई से 29 जुलाई तक सेंधवा शहर में रामकथा करवाने का निर्णय लिया गया सेंधवा एकल श्री हरि सत्संग के सचिव निलेश जैन ओर पंकज झवर ने बताया कि सेंधवा में श्रावण मास में 8 दिवसीय श्री रामकथा आयोजित की जाएगी जिसमें रामकथा करवाने हेतु सुप्रसिद्ध कथाकार सुश्री गीता किशोरी के द्वारा संगीतमय श्री रामकथा का आयोजन सेंधवा नगर में होगा इस कथा के लिए शीघ्र ही शहर के गणमान्य नागरिकों की बैठक बुलाई जाएगीइस अवसर पर गोपाल तायल, राजेश गर्ग, प्रेमचंद सुराणा, निलेश जैन, पंकज झवर, विष्णु अग्रवाल, डॉ प्रतीक चोपड़ा, मकरंद ओक, भूषण जैन, श्याम गोरे, भरत शिंदे, अजय गुप्ता, रामसिंह अलावे, अभियान प्रमुख सेंधवा संतोष राठौड़ मालवा भाग प्रमुख भी उपस्थित थे।

सरकार ने दी वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025 को मंजूरी, 1 जुलाई से होंगे नए प्रावधान लागू

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में एक अहम फैसला लिया गया। बैठक में वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025 (भाग-1) को अनुमोदन मिल गया है।

यह पुस्तिका 1 जुलाई 2025 से लागू होगी। इसके तहत सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गति और विभागीय अधिकारों में बढ़ोतरी को प्राथमिकता दी गई है। यह संशोधित वित्तीय अधिकार पुस्तिका सरकारी कार्यों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इससे प्रशासनिक निर्णय लेने में समय की बचत होगी और

वित्त विभाग को मिली सुधार की छूट

कैबिनेट ने वित्त विभाग को पुस्तिका में लिपिकीय त्रुटियों को सुधारने और भविष्य में आवश्यकता अनुसार संशोधन करने की छूट दी है। साथ ही, इसका हिन्दी अनुवाद भी जारी किया जाएगा ताकि सभी विभागों में इसका उपयोग आसानी से हो सके।

विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा मिलेगा। वित्तीय अधिकार पुस्तिका में 13 वर्षों बाद बड़े स्तर पर संशोधन किया गया है। 2012 के बाद से मूल्य और लागतों में वृद्धि, नई तकनीक, और कार्यालय संचालन में बदलावों को देखते हुए पुराने और अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाकर नई आवश्यकताओं के अनुरूप नियम जोड़े गए हैं।

अब विभागों को मिलेंगे ये अधिकार

बजट नियंत्रण अधिकारी नियुक्त करने का अधिकार संबंधित विभाग को मिलेगा। किसी भी कार्य के लिए कंसल्टेंसी फर्म या एजेंसी नियुक्त करने का अधिकार विभागों को दिया गया है। इंटर्न रखने की अनुमति, अब प्रशासनिक स्तर पर दी जा सकेगी। मानदेय की स्वीकृति भी अब विभाग दे सकेंगे। पेंशन या उपदान के अधिक भुगतान को ह१ई-डाा करने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। मेडिकल एडवांस का 80% तक भुगतान अब विभाग कर सकेंगे, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की अनुमति नहीं चाहिए होगी। विभागीय भवनों को तोड़ने की अनुमति अब संबंधित विभाग स्वयं दे सकेंगे।

एमपी में 27 अधिकारियों को दी पदोन्नति, 53 को हटाया

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में पुलिस विभाग में बड़ी कवायद हुई। गृह विभाग ने कई अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया। दो दर्जन से ज्यादा अफसरों का प्रमोशन कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यानि एएसपी अरढ, सहायक पुलिस महानिरीक्षक यानि एआइजी अक्क्ष और उप सेनानी बनाया जबकि चार दर्जन से ज्यादा अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया। राज्य पुलिस सेवा के 27 अधिकारियों को पदोन्त किया गया है। इन अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस महानिरीक्षक और उप सेनानी के पद पर प्रमोट किया गया है। गृह विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। एक अन्य आदेश में पुलिस विभाग के 53 अधिकारियों के तबादले किए गए। इनमें डीएसपी, एसडीओपी और सीएसपी शामिल हैं।

इन अधिकारियों का प्रमोशन

- अरविंद सिंह सूर्या सहायक सेनानी उच्च न्यायालय सुरक्षा जबलपुर से उप सेनानी प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर
- संजय कौल सहायक सेनानी 13वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर से उप सेनानी 14वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर
- नीरज कुमार ठाकुर सहायक सेनानी 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल
- कमला रावत सहायक सेनानी 14वीं बटालियन ग्वालियर से अति. पुलिस अधीक्षक बैंड 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल
- रणजीत सिंह राठौर सहायक सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल
- सुभाष शर्मा सहायक सेनानी प्रथम बटालियन एसएएफ इंदौर से उप सेनानी 32वीं वाहिनी एसएएफ उज्जैन
- वेदांत प्रकाश शर्मा सहायक सेनानी आरएपीटीसी इंदौर से उप सेनानी आरएपीटीसी इंदौर
- रवि प्रकाश द्विवेदी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू से सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू भोपाल
- सूरजमल राजौरिया सहायक सेनानी 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 10वीं बटालियन एसएएफ भोपाल
- विपिन शिल्पी सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी इंदौर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू
- लामू सिंह श्याम सहायक सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर से उप सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर
- अलरिज बिसेंट डीएसपी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल
- अजय प्रिय आनंद सहायक सेनानी 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से उप सेनानी हॉक फोर्स बालाघाट
- भावना मरावी एसडीओपी गोटेगांव नरसिंहपुर से एडिशनल एसपी जबलपुर
- रविंद्र कुमार बोयट एसडीओपी मूंदी नर्मदानगर खंडवा से एडिशनल एसपी आगर मालवा
- सुरेश कुमार दामले एसडीओपी बरेली रायसेन से एडिशनल एसपी रेल भोपाल
- शेर सिंह भूरिया डीएसपी आजाक रतलाम से एसपी अजाक इंदौर
- स्वाती मुराब वाडेकर सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय और प्रशिक्षण नगरीय पुलिस भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल
- नरेश बाबू अन्नोटिया सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जोन 1 नगरीय पुलिस इंदौर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात जोन 3 इंदौर नगरीय पुलिस
- गीता डोंगरे चौहान डीएसपी पीटीएस इंदौर से एडिशनल एसपी पीटीसी इंदौर
- नदीम उल्लाह खान डीएसपी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय से उप सेनानी सुरक्षा वाहिनी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल
- निहित उपाध्याय सहायक पुलिस आयुक्त हबीबगंज भोपाल नगरीय पुलिस से उप सेनानी 8वीं बटालियन एसएएफ छिंदवाड़ा
- दीपक नायक सहायक पुलिस आयुक्त गोविन्दपुरा भोपाल नगरीय पुलिस से एडिशनल एसपी सुरक्षा भोपाल नगरीय पुलिस
- दीशेष अग्रवाल नगर पुलिस अधीक्षक देवास से एडिशनल एसपी ईटेलिजेंस इंदौर नगरीय पुलिस
- अमित कुमार मिश्रा डीएसपी पीएचक्यू से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कम स्टाफ आफिसर पुलिस आयुक्त कार्यालय भोपाल नगरीय पुलिस
- सुजीत सिंह भदौरिया एसडीओपी पोहरी जिला शिवपुरी से एडिशनल एसपी दमोह
- ज्योति उमठे सीएसपी गुना से सहायक पुलिस महानिरीक्षक आईजी कार्यालय रेंज ग्वालियर

'भ्रष्टाचार में फंसे सरपंच के पास नहीं होंगे पैसे खर्च करने के हक'

जबलपुर ■

जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने फैसला सुनाया है कि भ्रष्टाचार के आरोपी सरपंच से वित्तीय अधिकार वापस लेना सही कदम है।

कोर्ट ने सरपंच की याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उसने अपने अधिकार वापस लेने के फैसले को गलत बताया था। यह याचिका मंघु बैगा (पिता श्री धन्नू बैगा) ने दायर की थी। वह जिला शहडोल के तहसील सोहागपुर की ग्राम पंचायत मायकी का निर्वाचित सरपंच है। उसके खिलाफ लोकायुक्त ने 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने का केस दर्ज किया है, जो अभी लंबित है। इस मामले के बाद जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उसके वित्तीय अधिकार छीन लिए और ये अधिकार पंचायत समन्वयक राजबहोर साकेत को दे दिए। सरपंच ने कोर्ट में यह दलील दी थी कि उसके खिलाफ सिर्फ केस दर्ज हुआ है, फैसला नहीं आया है, इसलिए उसके अधिकार छीनना गलत है। लेकिन सरकार की ओर से बताया गया कि आरोप भ्रष्टाचार और अधिकारों के गलत इस्तेमाल से जुड़े हैं, इसलिए यह कदम उठाया गया।

आने वाले 30 दिनों के लिए बंद रहेंगे कई रास्ते

भोपाल ■

मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य की वजह से 28 मई से 27 जून 2025 तक एक माह के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि एमपी के भोपाल शहर में मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। जिसके चलते पुल बोगदा क्षेत्र में नए मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य की वजह ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है।

इस अवधि में पुल बोगदा होकर भारत टॉकीज और जिंसी की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी वाहनों के

प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने ऑप्शनल मार्गों की व्यवस्था की है। कोई भी समस्या या जानकारी के लिए यातायात नियंत्रण कक्ष के नंबरों 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क किया जा सकता है।

बेद रहेंगे ये रास्ते

प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए भारत टॉकीज और प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए जिंसी धर्म कांटा, मैदा मिल की ओर हल्के एवं दोपहिया वाहनों के लिए पुल बोगदा से शिव मंदिर रोड (जिंसी के सामने) तक एक तरफ का मार्ग बंद रहेगा।

भारी, मध्यम और बसें प्रभात चौराहा से भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर जाने के लिए परिहार चौराहा (अशोका गार्डन), 80 फीट रोड, स्टेशन बजरिया तिराहा और भारत टॉकीज ओवरब्रिज होते हुए संगम टॉकीज तिराहा से गुजरेंगी।

भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 से प्रभात चौराहा लौटने वाले वाहन संगम टॉकीज तिराहा, भारत टॉकीज ओवरब्रिज, स्टेशन बजरिया तिराहा, 80 फीट रोड और परिहार चौराहा से होकर प्रभात चौराहा पहुंचेंगे।

हल्के और दोपहिया वाहन चालक पुल बोगदा से शिव मंदिर रोड (जिंसी के सामने) तक खुले एकतरफा रास्ते से आना-जाना कर सकेंगे।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता मंजूर नहीं !

आज का युग सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है। या यूं कहें कि आज विज्ञान और तकनीक का युग है। सच तो यह है कि हम एआइ चैटबाट के युग में सांस ले रहे हैं। हमारे देश में अभिव्यक्ति की आजादी सबको प्रदान की गई है, लेकिन पिछले कुछ समय से देश और समाज के कुछेक लोगों ने तकनीक और

सुनील कुमार महला
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

अभिव्यक्ति की आजादी का बहुत ही गलत उपयोग किया है। विशेषकर यू ट्यूबर्स-नैतिकता और मयार्दा को तांक पर रखकर कुछ भी ऊल-जुलूल इन माध्यमों पर बेरोकटोक परोस रहे हैं। यू-ट्यूबर्स और फेसबुक पर कंटेंट प्रस्तुतीकरण का तरीका बहुत ही अजीबोगरीब व गलत हो गया है। फेसबुक, यूट्यूब पर ज्यादा से ज्यादा लाइक्स, शेयर और कमेंट्स पाने के लिए यूट्यूबर्स और फेसबुक संचालक अपनी मयार्दाएं भूल रहें हैं और उन्हें समाज और देश से कोई भी सरोकार नहीं रहा है। यह ठीक है कि आज का जमाना टैक्नोलॉजी(तकनीक) का है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इनके प्रस्तुतीकरण में मयार्दाएं, नैतिकता आखिर क्यों तार-तार हो रही हैं? नैतिकता, आदर्श और मूल्य नाम की तो जैसे आज कोई चीज बची ही नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सार्वजनिक रूप से कुछ भी कह देना और बात-बात पर विवाद खड़े कर देना, क्या पत्रकारिता है ? कुछ लोग इसे 'बोल्डनेस'(साहस, स्पष्टतया) करार देते हैं, तो कुछ लोग इसे 'फ्रैंकली' अपनी बात रखना तक कहते हैं, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर बात कहने या रखने का भी आखिर कोई तरीका होता है, मयार्दा होती है, नैतिकता होती है, मूल्य और आदर्श होते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनातनी(युद्ध) के बाद इंटरनेट और न्यूज पर इन दिनों ट्रैवल यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का नाम बहुत वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि हरियाणा के हिसार की रहने वाली ज्योति को पुलिस और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पाकिस्तानी जासूस होने के इल्जाम में गिरफ्तार किया गया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि हिसार की रहने वाली ज्योति अपने यूट्यूब चैनल(ट्रेवल विद जो) पर ट्रैवल वीडियोज बनाती हैं और उन्हें कुछ संदिग्ध पाकिस्तानी ऑफिशियल्स के साथ संबंधों को लेकर गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार ज्योति पर आरोप है कि अपने वीडियोज के अलावा, ज्योति इंडियन आर्मी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी अपने पाकिस्तानी कॉन्टैक्ट्स तक पहुंचाती थीं तथा इसमें लोकेशन डिटेल्स भी शामिल होती थीं। यह भी जानकारी मिलती है कि ज्योति के यू-ट्यूब वीडियोज में भी पाकिस्तान को पॉजिटिव तरीके से प्रमोट किया गया है। खबरों के अनुसार ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तान से वापस आने के बाद कश्मीर गई थीं और वहां पर रास्तों, रेलवे ट्रैक और अन्य चीजों के वीडियोज शेयर किए थे। यू-ट्यूब पर करियर बनाने वाली ज्योति व्यूज, लाइक्स और शेयर के चक्कर में साजिश का हिस्सा बन गई। दरअसल, वो भारत के खिलाफ आइएसआइ (पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी) की गहरी साजिश का हिस्सा हो गई। वह भारत के खिलाफ 'डिजिटल वॉर' में शामिल बताई जा रही है। शायद यही कारण है कि ज्योति की गिरफ्तारी के बाद अब भारत में उसके खिलाफ जांच जारी है और उसे रिमांड पर लिया गया है। दरअसल , जांच एजेंसियां यह जानना चाहती हैं कि ज्योति मल्होत्रा के पाकिस्तान दौरे पर जो खर्च हुए उसमें उसकी किसने मदद की? सवाल उठना लाजिमी है, क्योंकि उसके पाकिस्तान दौरे पर बेहिसाब पैसे खर्च हुए जो उसकी आमदनी से ज्यादा थे। हालांकि, ज्योति मल्होत्रा के बारे में क्या सच है और क्या झूठ है, यह सब तो गहन जांच पड़ताल के बाद में ही सबके सामने आ पाएगा।बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज यू-ट्यूबर्स देश की सुरक्षा की परवाह किए बगैर जानकारियां दूसरे देशों को साझा कर देते हैं और यह देश के लिए कभी भी एक बड़ा खतरा बन सकता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं

कि भद्दे कमेंट्स (गाली-गलौज) तथा सैक्स संबंधी सवालों के उल्लेख को लेकर पिछले दिनों कुछ यू ट्यूबर्स के विरुद्ध मामले कोर्ट तक पहुंचे। आज विभिन्न यूट्यूबर्स सस्ती लोकप्रियता के चलते ऐसे ऐसे विडियो बेपरवाह पोस्ट कर देते हैं, जिनका कोई ठौर-ठिकाना तक नहीं होता। कंटेंट इतना अश्लील, भद्दा होता है कि क्या कहें? व्यूज और लाइक्स के साथ पैसा कमाने के चक्कर में ऐसे यूट्यूबर्स देश की सुरक्षा तक से खिलवाड़ कर बैठते हैं,जो बहुत ही चिंतनीय विषय है। आज सच के नाम पर यू-ट्यूब पर झूठ का पुलिंदा परोसा जाता है,जिस पर कोई रोक-टोक नहीं दिखती। बवाल मचता है तो ऐसे कंटेंट को या तो सार्वजनिक मंचों से हटा लिया जाता है अथवा माफी मांगकर काम चला लिया जाता है, लेकिन क्या कंटेंट को हटा देना और माफी मांग लेना ही इसका सही हल कहा जा सकता है? इस पर चिंतन-मनन की आवश्यकता है। सच तो यह है कि सच्ची खबर और फेक न्यूज तथा व्यूज में भी तो फर्क होता है। इन यू-ट्यूबरों के चैनलों पर आज न तो कंटेंट काम का मिलता है और न ही ये विश्वसनीयता और प्रामाणिकता पर ही खरे उतरते हैं। जो मन में आया, वही ऊल-जलूल कंटेंट सार्वजनिक मंचों पर जब चाहे डाल दिया जाता है। खबरें बतातीं हैं कि पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा 3 बार पाकिस्तान जा चुकी है तथा उसने अपनी जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड यात्रा की व्यवस्था तथा बहुत सी जानकारियां दर्शकों के साथ साझा की हैं। ज्योति मल्होत्रा ही नहीं, पिछले दिनों से अन्य कई यूट्यूबर्स के नाम भी सामने आए हैं, जिन पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप लगे हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज यू-ट्यूबर्स ने स्वयं को लोकप्रियता के शिखर पर स्थापित करने के लिए नैतिकता, आदर्शों और मयार्दा का गला घोंट कर रख दिया है।रातों-रात स्टार बनने तथा पैसे कमाने की चाहत इन यू-ट्यूबरों को ऐसे गर्त में धकेल रही है, जो किसी भी लिहाज से, मसलन देश की सुरक्षा के लिहाज से, हमारे देश की सनातन संस्कृति और मूल्यों के लिए ठीक नहीं ठहराया जा सकता है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर है और राष्ट्र और समाज से बढ़कर कुछ भी नहीं। हमारे देश की संस्कृति की पूरे विश्व में आज भी खास पहचान है और हमारे मूल्यों और आदर्शों को आज पूरे विश्व में अनुशरण किया जाता है, ऐसे में जब हमारे यहां से ऐसे ऐसे कंटेंट सार्वजनिक मंचों पर परोसे जाएंगे तो हम दूसरों से भला क्या उम्मीद कर सकते हैं ? पाठक जानते हैं कि यू-ट्यूब और फेसबुक सार्वजनिक मंच हैं और आज संपूर्ण विश्व इन मंचों से जुड़ा हुआ है। कोई भी पोस्ट इन मंचों पर पोस्ट की जाती है तो उसके दूरगामी प्रभाव होते हैं, इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि इन मंचों पर प्रामाणिक और विश्वसनीय जानकारी ही पोस्ट की जाए और देश की सुरक्षा का हमेशा ध्यान रखा जाए। वास्तव में नैतिकता का दायरा कभी भी नहीं लांघा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की आजादी का यह मतलब तो कतई नहीं है कि कुछ भी ऊल-जुलूल बेरोकटोक परोस दिया जाए। आज ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ यू ट्यूबर्स ने नकारात्मकता और अश्लील और भद्दे कंटेंट परोसने का जैसा ठेका ले रखा है। यह ठीक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या वाक स्वतंत्रता किसी व्यक्ति या समुदाय द्वारा अपने मत और विचार को बिना प्रतिशोध, अभिवेचन या दंड के डर के प्रकट कर पाने की स्थिति होती है तथा भारतीय संविधान वाक-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य की प्रत्याभूति देता है, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि इस स्वतंत्रता पर राज्य द्वारा युक्तियुक्त निर्बन्धन इन बातों के संबंध में लगाए जा सकते हैं (क) मानहानि, (ख) न्यायालय-अवमान, (ग) शिष्टाचार या सदाचार, (घ) राज्य की सुरक्षा, (ङ) विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, (च) अपराध-उद्दीपन, (छ) लोक व्यवस्था, (ज) भारत की प्रभुता और अखंडता(16वां संविधान संशोधन 1963 से जोड़ा गया)। बहरहाल, पाठक जानते होंगे कि ध्रुव राठी हो, रणवीर इलाहबादिया हो या पूर्वा मखीजा हो, इन सबके मामले कहीं न कहीं अदालतों तक पहुंचें, क्यों कि नकारात्मक व ऊल-जलूल कंटेंट को परोसा गया। यह ठीक है कि आज तकनीक का युग है, लेकिन तकनीक का कभी भी गलत व नकारात्मक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी। कहना गलत नहीं होगा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता हर हाल में नामंजूर है। हमें यह चाहिए कि हम हमारे देश के संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों का पूरी तरह से ध्यान रखें। यहां पाठकों को बताता चलूं कि रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए यह स्पष्ट किया था कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। गौरतलब है कि कुछ समय पहले रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि किसी को भी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किसी की भावनाओं को आहत करने, देश और समाज से सौहार्द-सद्भावना को खण्डित करने, बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनाने का कोई भी अधिकार नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी की भी अपनी हद और सीमाएं हैं।एआइ चैटबाट और तकनीक के इस युग में नियमों, आदर्शों, हमारे सामाजिक प्रतिमानों और नैतिकता तथा मयार्दाओं का पालन बहुत ही जरूरी व आवश्यक है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अनदेखी: रिफैक्ट्रीज में बगैर अनुज्ञप्ति के खनिज भंडारण, सामने गंभीर मनमानी

कटनी ■

जिले में रिफैक्ट्री उद्योग तेजी से फल-फूल रहा है। शहर, उपनगरीय इलाकों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक करीब तीन दर्जन से अधिक रिफैक्ट्रीज संचालित हो रही हैं। इनमें बड़ी मात्रा में खनिजों व कोयले का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इनमें से किसी के पास खनिज भंडारण की वैध अनुज्ञप्ति नहीं है। मध्यप्रदेश सरकार के 2022 के स्पष्ट आदेश के बावजूद खनिज विभाग की निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है।

राज्य शासन ने वर्ष 2022 में आदेश जारी किया था कि रिफैक्ट्रीज में खनिज भंडारण के लिए खनिज विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुज्ञप्ति के किया गया भंडारण अवैध माना जाएगा। इसको लेकर कुछ माह पहले विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई भी कंपनी में की, इसके बावजूद जिले की रिफैक्ट्रीज मनमानी कर रही हैं और खनिज विभाग अब तक किसी भी इकाई के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर सका है।

किस तरह उठाया जा रहा फायदा

विभागीय शिथिलता का सीधा लाभ रिफैक्ट्री संचालक उठा रहे हैं। बिना लाइसेंस के खनिज का भंडारण कर ये कारोबारी न केवल सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा की आशंका है। पूर्व में के वर्षों में कोयला भंडारण को लेकर गंभीर मामले उजागर हो चुके हैं। इससे खनिज कारोबारियों को भी अवैध काम के लिए संरक्षण मिलता है। लगभग 3 साल में अनुज्ञप्ति जारी न होने से स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते हैं।

यह है नियम

खनिज नियमावली के अनुसार, किसी भी उद्योग को खनिज भंडारण के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक है। गैर-अनुज्ञप्त भंडारण को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। नियमों के उल्लंघन पर आर्थिक दंड, लाइसेंस रद्दीकरण और जब्ती की कार्रवाई की जा सकती है। अनुज्ञप्ति न होने पर टैक्स और रॉयल्टी के नुकसान की आशंका है, अनियंत्रित खनिज और कोयला भंडारण से जल, वायु और भूमि प्रदूषण की आशंका, अवैज्ञानिक तरीके से किया गया भंडारण दुर्घटनाओं और आग की घटनाओं को न्योता देता है।

यह होनी चाहिए कार्रवाई

अवैध भंडारण वाली इकाइयों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, सभी रिफैक्ट्रीज को एक निश्चित अवधि में अनुमति लेने के लिए बाध्य किया जाए, दोषी अधिकारियों पर भी हो जवाबदेही तय हो, जिला प्रशासन को शासन के आदेशों को सख्ती से लागू कराना चाहिए। जिले में रिफैक्ट्री उद्योग के नाम पर चल रहे अवैध खनिज भंडारण पर नकेल कसने की आवश्यकता है। शासन ने नियम बना दिए हैं, अब उन्हें लागू करवाने की जिम्मेदारी खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की है।

एक भी नहीं अनुमति सिर्फ आवेदन

खनिज विभाग से अनुज्ञप्ति लेने के लिए रिफैक्ट्री उद्योग संचालकों ने आवेदन किए हैं, लेकिन एक को भी विभाग ने अनुज्ञप्ति जारी नहीं की। विजयराघवगढ़ क्षेत्र से 16 कारोबारियों ने, मुड़वारा क्षेत्र से 23 कारोबारियों के आवेदन, ढीमरखेड़ा-बड़वारा क्षेत्र से 09 आवेदन विभाग में आए हैं। विभाग का कहना है कि कार्रवाई चल रही है, शीघ्र ही अनुज्ञप्ति दी जाएगी।

नहीं हो रही कार्रवाई

रिफैक्ट्रीज में बगैर अनुमति के खनिजों का भंडारण किया जा रहा है, 2022 में नियम लागू हो जाने के बाद भी पालन नहीं हो रहा है। इस मनमानी पर खनिज विभाग कोई भी जांच कार्रवाई नहीं कर रहा। जिलेभर में मनमानी जारी है। सांठगांठ से मनमानी चल रही है। रत्नेश दीक्षित, उप संचालक खनिज का कहना है रिफैक्ट्री कारोबारियों को खनिज भंडारण के लिए अनुज्ञप्ति जारी करने आवेदन मंगाए गए हैं। अबतक 48 लोगों ने आवेदन किए हैं।

भाजपा सांसद-विधायकों की क्लास लेंगे शाह-नड्डा

भोपाल ■

भाजपा ने एक बार फिर अपने सांसद और विधायकों को प्रशिक्षण देने की तैयारी पूरी कर ली है। 14 जून से तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र एमपी के पचमढ़ी में आयोजित होगा। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह खासतौर पर सांसद-विधायकों की क्लास लेंगे। शुभारंभ में नड्डा संगठनात्मक बारीकियों को लेकर संवाद करेंगे। 16 जून को समापन पर केंद्रीय मंत्री शाह गुड गवर्नेंस पर चर्चा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सत्र को एक थीम पर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।

प्रशिक्षण सत्र का मूल उद्देश्य सांसद- विधायकों को सत्ता-संगठन में समन्वय, जनता से संवाद और पार्टी की रीति- नीति के अनुरूप कार्यशैली सिखाना होगा। इस दौरान कैंप में अन्य केंद्रीय नेता जैसे राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित कुछ चुनिंदा केंद्रीय मंत्री भी अलग-अलग सत्रों को संबोधित कर सकते हैं। भाजपा के कुछ बड़बोले नेता लगातार सत्ता और संगठन के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इनमें मंत्री विजय शाह ने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की किरकिरी करवाई है। ऐसे नेताओं को खासतौर पर पार्टी लाइन में रहकर संवाद करने की नसीहत दी जाएगी। इसके अलावा असंतुष्ट विधायकों को भी पार्टी फोरम में रहकर बात रखने का सलीका और संवाद का तरीका बताया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में प्रदेश के दौरे पर आए थे। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पार्टी सांसद- विधायकों के साथ संगठन के चुनिंदा पदाधिकारियों के साथ करीब दो घंटे संवाद किया था।

पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर का रूह कंपा देने वाला खुलासा, गैंगरेप के बाद निकाली आंतें...

खंडवा ■

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले से बीते दिनों शर्मसार करने वाली घटना सामने आई थी। आदिवासी महिला से गैंगरेप में शामिल आरोपियों में से एक आरोपी के द्वारा महिला के शरीर के अंदर हाथ डाला गया था। जिससे महिला की आतें बाहर गई और अधिक खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस के द्वारा दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया कि संघर्ष के दौरान महिला के प्राइवेट पार्ट में हाथ या कोई चीज डाली गई होगी। शरीर के बाहरी हिस्से पर भी चोट के

निशान हैं। ज्यादा खून बहने और अंदरूनी चोट के कारण महिला की मौत हुई है। हालांकि, फाइनल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वहीं, खरगोन रेंज के आईजी को कलवा थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर जगदीश सिंधिया ने फोन पर बताया कि अब तक घटनास्थल से लोहे या लकड़ी या कोई रॉड बरामद नहीं हुआ है। पुलिस को मौके से शराब के खाली डिस्पोजेबल गिलास भी जब्त किए हैं। इस मामले की जांच कर रहे जगदीश सिंधिया ने आरोपी के द्वारा पुलिस को दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा है कि दुष्कर्म की घटना के बाद हरि ने अपना हाथ शरीर के अंदर डाल दिया। जिससे महिला की आंते बाहर आ गईं। पूछताछ में आरोपी हरि और सुनील ने महिला के साथ गैंगरेप करना कबूल किया है। दोंनों आरोपियों के पुराने रिकॉर्ड और उनके मोबाइल की हिस्ट्री भी पुलिस द्वारा सर्च की जा रही है। घटना के दिन आरोपियों ने अश्लील वीडियो भी देखे थे। इसके बाद दोनों ने महिला के साथ जघन्यता की है। पीड़िता के परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता की गई है, जिसमें 50 हजार रुपए रेडक्रॉस और 50 हजार रुपए संबल योजना से दिए गए हैं। इसके अलावा मप्र अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना से भी 10 लाख रुपए तक की मदद का प्रस्ताव भेजा गया है। कांग्रेस डेलिगेशन में मौजूद पूर्व अध्यक्ष अभा महिला कांग्रेस शोभा ओझा, पूर्व मंत्री मप्र शासन विजयालक्ष्मी साधौ, भीकनगांव विधायक झूमा सोलंकी ने आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की।

मौसम विभाग ने जताया पूर्वानुमान

भोपाल। देशभर में मानसून पर चर्चा होने लगी है। कई राज्यों में मानसूनी गतिविधियां शुरू भी हो चुकी हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश में भी मानसून की आहट दिखाई दे रही है। केरल और मुंबई की तरह एमपी में भी मानसून इस बार जल्दी आने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मानसून दक्षिणी हिस्से से प्रवेश करेगा। विशेष बात यह है कि इस बार प्रदेश में मानसून के खासे सक्रिय रहने की संभावना है। मौसम विभाग नई दिल्ली ने मंगलवार को इस संबंध में पूर्वानुमान जारी किया है जिसके अनुसार प्रदेश में इस बार 106 प्रतिशत बारिश का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग आईएमडी के डीजीएम डॉ. एम महापात्रा ने इस बार देश में सामान्य बारिश की संभावना व्यक्त की है।

एमपी के जिले में महंगी बिक रही शराब, कलेक्टर ने कराया स्टिंग..

जबलपुर ■

मध्यप्रदेश में बीते कई दिनों से एमआरपी से ज्यादा रेट पर शराब दुकानों से शराब बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसी ही बहुत सी शिकायतें जब जबलपुर कलेक्टर के पास पहुंची तो उन्होंने ओवर रेटिंग पर शराब बेचने वाले कारोबारियों को बेनकाब करने के लिए स्टिंग ऑपरेशन कराए। कलेक्टर के इस स्टिंग ऑपरेशन में शहर की अधिकतर शराब दुकानों पर ज्यादा रेट में शराब बिकती मिली है जिसके प्रमाण भी जुटाए गए हैं।

एमआरपी से ज्यादा रेट पर शराब बेचे जाने की लगातार शिकायतें मिलने के बाद जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने

राजस्व विभाग के कर्मचारियों को ग्राहक बनकर शहर की अलग अलग दुकानों की जांच करने भेजा। ग्राहक बनकर जब राजस्व विभाग के कर्मचारी शराब दुकानों पर पहुंचे और शराब खरीदी तो ओवर प्राइजिंग पर शराब बिकती मिली है। जांच के दौरान पता चला है कि अलग अलग दुकानों पर शराब के अलग अलग रेट हैं और 20 रुपए से लेकर 50 और 100 रुपये तक महंगी दर पर शराब बेची जा रही है।

22 में से 21 दुकानों पर मिली ओवर प्राइजिंग

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने ग्राहक बनकर शहर की 22 कंपोजिट शराब दुकानों की जांच की है इन 22 में से 21 दुकानों पर ओवर प्राइजिंग पर शराब बेचे जा रही थी ऐसी जानकारी मिली है। दिलचस्प बात तो यह है कि ग्राहक बनकर शराब खरीदने गए सरकारी कर्मचारियों ने शराब खरीदने का पेमेंट ऑनलाइन किया है जिसके की पुख्ता सबूत भी उनके पास हैं। ग्राहकों से प्रिंट रेट से ज्यादा कीमत वसूलने वाली शराब दुकानों की जानकारी अब कलेक्टर तक पहुंच चुकी है।

मध्यप्रदेश में शिक्षा विभाग ने मृत शिक्षक को जारी किया नोटिस

सीधी ■

मध्यप्रदेश अजब है ये बात आपने अक्सर सुनी होगी। ऐसे कई मामले भी सुने होंगे और अब एक ऐसा ही मामला मध्यप्रदेश के सीधी जिले से सामने आया है। यहां एक ऐसे शिक्षक को कारण बताओ नोटिस विभाग की ओर से भेजा गया है जो अब इस दुनिया में ही नहीं है। मृत टीचर को नोटिस जारी किए जाने के बाद विभाग की किरकिरी हो रही है और इसे लेकर आजाद शिक्षक संघ ने भी आपत्ति जताई है।

सीधी जिले के संकुल शासकीय बहुउद्देशीय कन्या उमावि रामपुर नैकिन में पदस्थ रहे उच्च माध्यमिक शिक्षक नागेंद्रमणि विश्वकर्मा को संभाग स्तर पर आनंद सभा सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों तृतीय प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस रीवा संभाग के संयुक्त संचालक लोक शिक्षण केपी तिवारी द्वारा जारी किया गया। हैरानी की बात ये है कि शिक्षक नागेंद्रमणि का मार्च 2023 में ही निधन हो चुका है। संभाग स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में अनुपस्थिति का हवाला देकर जारी इस नोटिस पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष विजय तिवारी ने कहा कि मृतक शिक्षक को नोटिस भेजना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण बल्कि शिक्षा विभाग के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय पर शिक्षकों की जानकारी पोर्टल पर अपडेट न करना ही ऐसी घटनाओं की मुख्य वजह है। उन्होंने बताया कि हाल ही में स्थानांतरण प्रक्रिया में भी हजारों शिक्षक पोर्टल में गलत तरीके से अतिशेष दिखाए जा रहे थे। संघ ने मांग की है कि इस तरह की चूक दोबारा न हो और पोर्टल अपडेट की प्रक्रिया को सशक्त किया जाए।

सीएम डॉ. यादव बोले- कर्मचारियों के हित में है प्रदेश का हित, और प्रदेश के हित में राष्ट्र का हित

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार को मंत्रालय परिसर में मंत्रालयीन कर्मचारी परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को विश्वास दिलाया कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में है प्रदेश का हित और प्रदेश के हित में राष्ट्र का हितह्व। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को कमल पुष्प की रजत प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्यकर्मी प्रदेश शासन और प्रशासन की रीढ़ हैं। इनकी निष्ठा और परिश्रम से ही मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना है। मुख्यमंत्री ने दीप

प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने मंत्रालय परिसर से तिरंगा लेकर मंत्रालयीन परिवार द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को भरने की दिशा में सक्रियता से काम कर रही है। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। डॉ. यादव ने पदोन्नति संबंधी मुद्दे पर कहा कि दोनों पक्षों से चर्चा कर शीघ्र ही समाधान निकाला जाएगा ताकि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति मिल सके। सभी राज्य कर्मचारियों के लिए बीमा योजना लागू करने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर कर्मचारी का खुद का मकान हो और उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

कर्मचारी संगठनों का आभार और मांगपत्र सौंपा गया

कार्यक्रम के संयोजक सुभाष वर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें केंद्र सरकार के समान राज्यकर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता जैसे निर्णयों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कर्मचारियों की अन्य मांगों का मांगपत्र भी मुख्यमंत्री को सौंपा।

तेज प्रताप की प्रेम लीला पर चला लालू का सियासी चाबुक

बिहार की राजनीति एक बार फिर से उस मोड़ पर आ गई है जहां निजी रिश्ते, पारिवारिक कलह और सत्ता की लड़ाई एक-दूसरे में उलझती नजर आ रही हैं। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के मुखिया और बिहार के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह फैसला जितना चौंकाने वाला है, उतना ही बिहार की राजनीति में दूरगामी प्रभाव डालने वाला भी साबित हो सकता है। तेजप्रताप का राजनीतिक जीवन हमेशा से विवादों में रहा है, लेकिन इस बार मामला निजी रिश्तों से शुरू होकर सार्वजनिक शर्मिंदगी, पार्टी अनुशासन और संवैधानिक संकट तक जा पहुंचा है।

अजय कुमार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

तेज प्रताप यादव ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने अनुष्का यादव नाम की एक युवती के साथ अपनी कथित शादी की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में दोनों शादी के जोड़े में नजर आ रहे थे, और इसके साथ ही उन्होंने एक भावुक पोस्ट में लिखा कि यह प्रेम कहानी 12 साल पुरानी है और अब उन्होंने इसे शादी के बंधन में बदल दिया है। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया, राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई और मीडिया में तेज प्रताप की ह्यगुप्त शादीह्ण की चर्चा हर ओर होने लगी। लेकिन कुछ ही घंटों बाद तेज प्रताप ने एक वीडियो जारी कर सफाई दी कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया था और ये तस्वीरें फर्जी थीं, एडिट की गई थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि तस्वीरें कहां से आई, किसने बनाई, और उनका अनुष्का यादव से क्या संबंध है। तेजप्रताप की सफाई ने विवाद को थमाया नहीं, बल्कि उसे और गहरा कर दिया। सोशल मीडिया पर पहले ही उनके अनुष्का यादव के साथ पुराने वीडियो और तस्वीरें वायरल हो चुकी थीं। इनकी पुष्टि करने वाली कई खबरें आने लगीं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि दोनों ने कुछ साल पहले आर्य समाज मंदिर में शादी की थी और अनुष्का अब कानूनी रूप से उनकी पत्नी होने का दावा कर सकती हैं। दूसरी ओर, तेज प्रताप का अपनी पहली पत्नी ऐश्वर्या राय से तलाक का मामला अब तक अदालत में लंबित है। ऐश्वर्या, पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा राय की पोती और वरिष्ठ कांग्रेस नेता चंद्रिका राय की बेटी हैं। ऐसे में तेज प्रताप की दूसरी शादी वैध नहीं मानी जा सकती। हिंदू विवाह अधिनियम के तहत जब तक पहली पत्नी से तलाक नहीं हो जाता, तब तक दूसरी शादी अपराध मानी जाती है, जो तेज प्रताप की विधायकी को भी संकट में डाल सकती है। लालू प्रसाद यादव ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से लिया और तेज प्रताप को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। इस फैसले को उन्होंने पार्टी और परिवार की गरिमा के लिए जरूरी बताया। लालू यादव ने कहा कि तेज प्रताप की गतिविधियों से न सिर्फ पार्टी की साख पर असर पड़ा है, बल्कि यह सामाजिक न्याय की राजनीति के मूल्यों के भी खिलाफ है, जिसके लिए आरजेडी दशकों से लड़ती रही है। लालू प्रसाद यादव के इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया कि वह अपनी राजनीतिक विरासत को तेज प्रताप के बजाय तेजस्वी यादव को सौंपना चाहते हैं और तेज प्रताप के अनियंत्रित बयानों, व्यवहार और विवादों से अब वे पूरी तरह तंग आ चुके हैं। इस फैसले ने राजनीतिक रूप से भी कई नई संभावनाओं को जन्म दिया है। बीजेपी और जेडीयू जैसे विरोधी

दलों ने इस मौके को हाथों-हाथ लिया और लालू परिवार की कलह पर तीखी टिप्पणियां कीं। जेडीयू के प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि यह पूरा मामला जनता को भ्रमित करने और सहानुभूति बटोरने की कोशिश है। उन्होंने लालू परिवार पर सत्ता के लिए ड्रामा रचने का आरोप लगाया। बीजेपी के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि तेज प्रताप का आचरण ह्यजंगलराजह्ण की याद दिलाता है, जो बिहार में लालू राज का प्रतीक रहा है। इन बयानों से स्पष्ट है कि विपक्ष इस मुद्दे को 2025 के विधानसभा चुनावों तक जिंदा रखना चाहता है। तेज प्रताप के पार्टी से निष्कासन ने उनके भाई और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की भूमिका को भी केंद्र में ला दिया है। तेजस्वी यादव इस समय आरजेडी के सबसे मजबूत और सर्वस्वीकार्य नेता माने जाते हैं। वे विपक्ष के नेता हैं और अगली बार मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार भी। तेजस्वी ने इस मामले में साफ कहा कि पार्टी किसी भी तरह की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं करेगी। उनका यह रुख न केवल उनके नेतृत्व कौशल को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि वह पार्टी में अपनी पकड़ मजबूत कर चुके हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेज प्रताप को तेजस्वी की बढ़ती लोकप्रियता और संगठनात्मक पकड़ से असुरक्षा महसूस होने लगी थी, और यही कारण था कि वे बार-बार मीडिया और सोशल मीडिया पर ऐसे बयान और हरकतें कर रहे थे जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा। तेज प्रताप की राजनीतिक यात्रा शुरू से ही अजीबो-गरीब रही है। 2015 में जब आरजेडी-जेडीयू-कांग्रेस का महागठबंधन बना और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने, तो तेज प्रताप को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। लेकिन उनके विभागीय कार्यशैली, अपरिपक्व बयानों और विवादित पहनावे की वजह से वे लगातार सुर्खियों में रहे। उन्होंने खुद को ह्यकृष्णह्ण कहा, तो कभी गाय चराने और जंगलों में योग करने की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपनी ही सरकार के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और बार-बार अपने भाई तेजस्वी से भी टकराव की स्थिति बना ली। 2020 में उन्होंने हसनपुर से चुनाव लड़ा और जीते, लेकिन पार्टी के भीतर उनकी भूमिका गौण होती चली गई। तेजप्रताप की यह ताजा हरकत उनके राजनीतिक करियर के लिए शायद सबसे बड़ा संकट बनकर सामने आई है। पार्टी से निष्कासन के बाद न तो वे चुनाव लड़ सकते हैं, न ही किसी पद की उम्मीद कर सकते हैं। उनके समर्थन में अभी तक पार्टी के किसी बड़े नेता ने कोई बयान नहीं दिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे संगठन में पूरी तरह अकेले पड़ चुके हैं। दूसरी ओर, यह विवाद अगर कानूनी मोड़ लेता है, तो उन्हें अपनी विधायकी से भी हाथ धोना पड़ सकता है। बिहार की राजनीति में यह पहला मौका नहीं है जब किसी पिता ने अपने ही बेटे को पार्टी से बाहर निकाला हो। इससे पहले समाजवादी पार्टी में भी ऐसा ही दृश्य देखने को मिला था, जब मुलायम सिंह यादव ने अपने बेटे अखिलेश यादव को पार्टी से बाहर करने की घोषणा की थी। लेकिन कुछ ही महीनों में अखिलेश ने पार्टी की कमान संभाल ली और अब वे सपा के निर्विवाद नेता हैं। हालांकि तेज प्रताप की स्थिति अखिलेश जैसी नहीं है, क्योंकि न तो उनके पास संगठन पर नियंत्रण है और न ही जनाधार। लालू परिवार में भी यह स्पष्ट हो चुका है कि अब राजनीतिक उत्तराधिकार तेजस्वी को ही मिलेगा। यह पूरा विवाद उस समय सामने आया है जब बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। विपक्षी दलों की एकजुटता, जातिगत जनगणना, रोजगार, शिक्षा और महंगाई जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है। ऐसे में तेज प्रताप का यह प्रकरण आरजेडी की रणनीति को कमजोर कर सकता है। तेजस्वी यादव को अब न सिर्फ जनता, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों को यह भरोसा दिलाना होगा कि पार्टी पूरी तरह अनुशासित है और उसका नेतृत्व स्थिर और जिम्मेदार हाथों में है। तेज प्रताप यादव की कथित प्रेम कहानी और उस पर फैला विवाद एक व्यक्ति की निजी जिंदगी से निकलकर पूरे राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है। यह दिखाता है कि किस तरह एक नेता का निजी आचरण और सार्वजनिक छवि आपस में जुड़ी होती है और किस तरह राजनीति में पारिवारिक कलह एक पूरी पार्टी की साख को प्रभावित कर सकती है। लालू प्रसाद यादव ने इस बार सख्ती दिखाकर यह संकेत दे दिया है कि अब वे पार्टी को एक नया रूप देना चाहते हैं, जिसमें अनुशासन, नैतिकता और नेतृत्व क्षमता को प्राथमिकता दी जाएगी। तेज प्रताप के लिए यह न केवल एक चेतावनी है, बल्कि उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती भी। अब यह देखना बाकी है कि वे इस संकट से उबरने की कोई कोशिश करते हैं या खुद को हाशिए पर धकेलते चले जाते हैं। बिहार की जनता, राजनीतिक पर्यवेक्षक और विरोधी दल सभी इस घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं, क्योंकि इसका असर आने वाले चुनावों और राज्य की राजनीति पर पड़ना तय है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय हो, लापरवाही पर कड़ी सजा

लोकतंत्र की सफलता की नींव एक सशक्त, जवाबदेह और संवेदनशील शासन एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर टिकी होती है। हाल के वर्षों में न्यायालयों के आदेशों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने निर्णय लेकर कार्यवाही की जा रही हैं। जिसके कारण यह सवाल खड़ा हो रहा है, क्या हमारे प्रशासनिक अधिकारी कानून और न्यायिक संस्थाओं के पारित आदेशों का सम्मान कर रहे हैं? राजस्थान उच्च न्यायालय की हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान राज्य में न्यायालय के 7,148 आदेशों की अनदेखी करते हुए पालन नहीं किया गया है। जो यह दशार्ता है, प्रशासनिक एवं न्यायिक तंत्र में यह समस्या कितनी गंभीर हो गई है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने पर यह स्थिति केवल अवमानना का मसला नहीं माना जाना चाहिए। बल्कि शासन एवं प्रशासन तंत्र की मानसिकता न्याय तंत्र को लेकर कैसी है। यह इस रिपोर्ट से उजागर होती है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में जिस तरह की माब लीचिंग, बुलडोजर न्याय, शासन एवं प्रशासन के दबाव में पुलिस द्वारा काल्पिनिक अपराध कायम कर नागरिकों को प्रमाणित किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। समय-समय पर हाईकोर्ट एवं सुप्रीमकोर्ट ने जाँच एजेंसियों, पुलिस और सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों के लिये निर्देश जारी किये। किन्तु उनका पालन करने के स्थान पर सत्तापक्ष के राजनेताओं के दबाव में जिस तरह से असंवैधानिक एवं कानूनों की अनदेखी हो रही है। उससे न्यायपालिका की साख में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। यदि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में सरकार या प्रशासनिक अधिकारी आनाकानी करें। यह न केवल लोकतंत्र के लिए संकट की स्थिति है, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों का भी खुला हनन है। विभागीय प्रमोशन, सेवा विस्तार या स्थानांतरण जैसे मुद्दों पर न्यायालयों के निदेर्शों और आदेशों का पालन नहीं किया जाता है। यह सिलसिला वर्षों तक खिंचता है। प्रशासकीय अधिकारियों और शासन द्वारा लगातार अपील पर अपील की जाती हैं अंतिम निर्णय आ जाने के बाद भी उसका पालन नहीं किया जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति नागरिक अधिकारों के मामलों में देखने को मिलती है। जहां प्रशासन नियम और कानून के विपरीत कार्यवाही करते है। न्यायालय से अंतिम फैसला भी हो जाता है। उसे सरकार के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लागू नहीं किया जाता है। जब तक सरकार और प्रशासन के उच्च पदों पर बैठे अधिकारी, न्यायिक आदेशों को लेकर जिम्मेदार नहीं ठहराए जाएंगे। जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी। तब तक प्रशासन और न्यायपालिका की व्यवस्था नहीं सुधर सकती है। लोकतंत्र में हर किसी की जवाबदेही तय है। जब तक इस जवाब देही का सख्ती से पालन नहीं किया जाएगा। सिर्फ चेतावनी या स्थानांतरण प्रशासकीय व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी नहीं है। न्यायपालिका को गैर जिम्मेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, आर्थिक दंड और कठोर सजा देने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अवमानना के प्रकरणों में प्रशासकीय अधिकारियों को कठोर दंड देकर, नसीहत देने की जरूरत है। ताकि आगे कोई भी अधिकारी अदालत के आदेशों की अवमानना करने की हिम्मत न कर सके। सरकारों को चाहिए, वह अपने अधीनस्थ अधिकारियों को समयबद्ध न्यायिक आदेशों के पालन सुनिश्चित करने की जवाब देही तय हो। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के आदेश पर शासन भी ऐसे अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही कर उन्हें सेवा से हटाने का निर्णय भी कर सकती है। यदि ऐसा होगा तभी कानून का राज कायम हो सकेगा। न्याय पालिका की गरिमा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

भूख की तकलीफ और दर्द को कभी हम समझ पाये

डॉ. प्रितम भि.गेडाम | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

दुनिया में करोड़ो लोग हर दिन भूख की तकलीफ को जीते हैं, बढ़ती उम्र, शारीरिक कमजोरी, गंभीर बिमारी, दिव्यांगता, अनाथ बेसहारा या कोई भी मजबूरी हो, जब तक आखिरी सांस है, तब तक भूख मिटाने के लिए अनाज चाहिए। केवल दो वक्त की रोटी के जद्दोजहद में ही न जाने कितनो की जिंदगी गुजर जाती है। दुनिया में हर कोई अपने हिस्से का भरपेट अन्न प्राप्त नहीं कर पाता है, अब तो अन्न में पोषक तत्वों की भारी कमी भी बड़ी समस्या है। भूख की कीमत बहुत छोटीसी है, लेकिन फिर भी विश्व में बहुत बड़ा वर्ग इस कीमत को भी नहीं चूका पाता। दो वक्त की रोटी और परिवार के भरणपोषण के लिए मनुष्य लगातार संघर्ष करता है। भूख के कारण कई मासूम जिंदगियां कम उम्र में ही जान गंवाती है। अमीर का भोजन महंगा और गरीब का भोजन सस्ता हो सकता है परंतु भूख सबकी एक होती है, भले ही पैसा, पद, देश, प्रतिष्ठा, रंग-रूप, ऊंच-नीच, धर्म-जात कोई भी हो परंतु भूख में अंतर नहीं होता। जिनके पास पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध है उनको अन्न के मूल कीमत का ज्ञान नहीं होता, वें केवल पैसे से उसका दाम लगाते है, इसलिए शायद खाद्य बबार्दी में हमारा देश विश्व में दूसरे क्रमांक पर आता है। जिनके पास भरपूर मात्रा में भोजन के विभिन्न पर्याय उपलब्ध है, वे स्वाद अनुरूप थोडासा खाना खाकर बाकी बचा हुआ अन्न सहजता से फेंक देते है। किसी भी कारणवश जिस दिन हमें भूख लगने पर भी भोजन नहीं मिलता, उस दिन रूखी-सुखी रोटी की भी अहमियत दुनिया की बड़ी दौलत नजर आती है।

भोजन की कमी के कारण बहुत बड़ी जनसंख्या नरकीय यातनाओं में जीवन बसर करती है। जन्म से ही भोजन की कमी के कारण बच्चों का सर्वांगीण विकास नहीं होता, संघर्षमय जीवन तभी से शुरू हो जाता है, जिम्मेदारियों का बोझ मासूम कंधो पर आ जाता है, इन जिम्मेदारियों के आगे उनके अधिकार, न्याय, समानता भी बौने प्रतीत होते है। बच्चे से उसका बचपन और मासूमियत छीन ली जाती है, भविष्य अंधकारमय लगता है। अन्न की कमी से जूझते हुए लोग मजबूरी में बद से बदतर स्थिति का सामना करते है, जो मिले वो खाने को तैयार होते है, लोगों की जूठन, कूड़ा, घासपुस यहाँ तक की मिट्टी तक खाते है, हैती देश में गरीब लोग मिट्टी की रोटी बनाकर खाते है। भूख सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर करती है, इससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के नुकसान झेलने पड़ते है। भूख इंसान से गुनाह तक करवाती है। हर साल 28 मई को विश्व भूख दिवस दुनियाभर में जागरूकता हेतु मनाया जाता है। इस साल 2025 की थीम हर कोई खाने का हकदार है यह है। यह थीम प्रत्येक के लिए पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। विश्व में सभी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त भोजन उगता है, अर्थात कोई भूखा नहीं रहेंगा, फिर भी, बड़ी जनसंख्या पर्याप्त कैलोरी और पोषक तत्वों की कमी से झुज रही है, क्योंकि वे स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते, साथ ही दूसरी ओर खाद्य बबार्दी है। हर साल, नौ मिलियन लोग भूख से संबंधित कारणों से मर जाते हैं; इनमें से कई 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं। सभी बाल मृत्युओं में से आधे कुपोषण के कारण होती हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक खाद्य कीमतों में मात्र 1 प्रतिशत की वृद्धि से 10 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में चले जाते है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक अनुसार, 18.3 प्रतिशत आबादी अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहते हैं। 83.7 प्रतिशत गरीब लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। सभी गरीब लोगों में से लगभग 70.7 प्रतिशत लोग उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं।

2024 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 27.3 है, जो भूख के गंभीर स्तर को दशार्ता है। यह खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की मौजूदा चुनौतियों के कारण उत्पन्न गंभीर भूख संकट को उजागर करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित है। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसे दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों का प्रदर्शन अच्छा है तथा वे मध्यम श्रेणी में आते हैं। यूएनईपी की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष खाद्य अपशिष्ट उत्पादकों में शामिल है, भारत में प्रति व्यक्ति घरेलू खाद्यान्न की बबार्दी प्रति वर्ष 55 किलोग्राम है, देश में विशाल जनसंख्या के कारण प्रति वर्ष कुल 78 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है। विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति के 2024 संस्करण के अनुसार, 2023 में 713 से 757 मिलियन लोगों को भूख का सामना करना पड़ा अर्थात दुनिया में हर 11 में से एक व्यक्ति और अफ्रीका में हर पांच में से एक व्यक्ति। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2.33 बिलियन लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे है और 3.1 अरब से अधिक लोग पोषकतत्वों से भरपूर आहार खरीदने में असमर्थ है। सेव द चिल्ड्रेन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के विश्लेषण के अनुसार, 2024 में कम से कम 18.2 मिलियन बच्चे भूख की स्थिति में पैदा हुए, अर्थात प्रति मिनट लगभग 35 बच्चे। संघर्ष और जलवायु संकट की यह स्थिति प्रत्येक वर्ष कम से कम 800,000 अतिरिक्त बच्चों को भूख की ओर धकेलेंगी। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक भुखमरी को दुनिया से पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, यद्यपि कुछ क्षेत्रों में प्रगति हो रही है, फिर भी समग्र रूप से भूख का स्तर पिछले कुछ वर्षों से स्थिर बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष और आर्थिक असमानता जैसे कारक समस्या को अधिक बढ़ा रहे हैं। कंसर्न वर्ल्डवाइड के अनुसार, यदि प्रगति की वर्तमान गति जारी रही, तो भुखमरी के स्तर को कम करने में साल 2160 तक का समय लग सकता है। 2024 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है। ऑक्सफैम रिपोर्ट ने दशार्या है कि, शीर्ष 1 प्रतिशत की आय हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है। शीर्ष 5 प्रतिशत भारतीयों के पास देश की 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, निचले 50 प्रतिशत लोगों की आय में हिस्सेदारी में लगातार गिरावट आई है। ऑक्सफैम इंडिया की सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट रिपोर्ट 2023 अनुसार, भारत में अरबपतियों की कुल संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 अरबपति हो गई है, जबकि भूख से जूझ रहे भारतीयों की संख्या 190 मिलियन से बढ़कर 350 मिलियन हो गई है। वस्तुओं और सेवाओं पर उत्पाद शुल्क और जीएसटी में काफी वृद्धि की गई है, जिसका सीधा असर अधिकतर गरीबों के हिस्से पड़ता है। भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति 2024 में 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ी, जिससे 204 नए अरबपति बनें। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट अनुसार, 2019-2021 में भारत में कुपोषित लोगों की संख्या 224.3 मिलियन थी, जो कुल आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है। आज भी शादी समारोह या प्रसंगों के कार्यक्रम में लोग खूब थालियां भरभरकर भोजन लेकर फेंक देते है। वहीं दूसरी ओर कूड़े करकट में लोग खाना बीनते भी नजर आते है, यह हमारा बड़ा दुर्भाग्य है, कि अनाज संपन्न होते हुए भी देश का बड़ा हिस्सा भूख और कुपोषण से ग्रस्त है। पोषकतत्वों से भरपूर शुद्ध आहार, पानी पर प्रत्येक का अधिकार है, परंतु आर्थिक परिस्थिति के कारण संभव नहीं हो पाता, परंतु मानवता के नाते हर संपन्न व्यक्ति इसके लिए कोशिश करें तो भरपेट भोजन सबके लिए संभव है। हर हाथ को काम मिले तो स्थिति बदल सकती है। भूख की तकलीफ हम सबने समझनी होगी, तभी हर सांस को अन्न की आस पूरी होगी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भारत की कूटनीति से 60 साल बाद मॉरीशस को मिला चागोस द्वीपसमूह

चागोस द्वीपसमूह पर ब्रिटेन के 60 साल पुराने कब्जे का अंत एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण के रूप में दर्ज हुआ है, जिसने औपनिवेशिक शासन की उन स्याह परतों को मिटा दिया है, जो आजादी के इतने वर्षों बाद भी विश्व के कई हिस्सों पर छाई हुई थीं। 22 मई 2025 को ब्रिटेन और मॉरीशस के प्रधानमंत्रियों कीर स्टार्मर और नवीन रामगुलाम ने एक डिजिटल समारोह में उस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे चागोस द्वीपसमूह, जिसमें डिएगो गार्सिया जैसे रणनीतिक और सैन्य दृष्टिकोण से अहम ठिकाने शामिल हैं, आधिकारिक तौर पर मॉरीशस को सौंप दिए गए। इस सौदे के पीछे एक और नाम बिना किसी शोरगुल के खड़ा रहा भारत। खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम में बेहद अहम और निर्णायक रही, हालांकि वह हमेशा पर्दे के पीछे ही रहे।

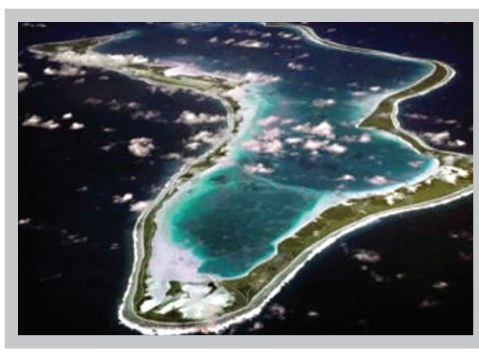

चागोस द्वीपसमूह की कहानी केवल भूगोल या रणनीति की नहीं, बल्कि न्याय, संप्रभुता और आत्मसम्मान की भी है। 1965 में जब मॉरीशस को ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने वाली थी, ठीक उसी वक्त ब्रिटेन ने इस द्वीपसमूह को मॉरीशस से अलग कर लिया और अपने अधीन रखा। इसके बाद हजारों स्थानीय निवासियों को जबरन उनके घरों से बेदखल किया गया और डिएगो गार्सिया द्वीप पर अमेरिका के लिए एक विशाल सैन्य अड्डा बनाया गया, जो आज भी अमेरिका के वैश्विक रणनीतिक ढांचे का अहम हिस्सा है। तब से मॉरीशस इस जमीन की वापसी की लड़ाई लड़ रहा था, जो अब जाकर सफल हुई है। इस समझौते के तहत ब्रिटेन ने द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को लौटा दी है, लेकिन डिएगो गार्सिया को ब्रिटेन 99 साल की लीज पर अमेरिका के साथ मिलकर इस्तेमाल करता रहेगा। इसके बदले मॉरीशस को हर साल लगभग 101 मिलियन पाउंड की राशि दी जाएगी। यह व्यवस्था उस सैन्य संतुलन को भी बनाए रखेगी, जो हिंद महासागर में अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए रणनीतिक दृष्टि से जरूरी माना जाता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा पहलू यह है कि आखिरकार उपनिवेशवाद के एक गहरे जख्म पर मरहम लगाया गया है। यह समझौता यूं ही नहीं हुआ। इसके पीछे कई सालों की बातचीत, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हुई बहसें और चुपचाप की गई कूटनीति शामिल है। भारत की भूमिका यहां खासतौर पर ध्यान देने योग्य है। 2019 में जब अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इस पूरे विवाद पर अपनी परामर्शी राय दी और ब्रिटेन के कब्जे को गैरकानूनी ठहराया, तब से लेकर अब तक भारत ने लगातार मॉरीशस के दावे का समर्थन किया। चाहे वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में हो, या हिंद महासागर के देशों के समूहों में भारत ने हर स्तर पर यह स्पष्ट किया कि चागोस मॉरीशस का अभिन्न अंग है और इसकी वापसी केवल समय की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूरे मामले को केवल एक सहयोगी देश की मदद के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे ग्लोबल साउथ यानी वैश्विक दक्षिण के देशों की आवाज को मजबूत करने और औपनिवेशिक इतिहास के खिलाफ एक नैतिक पहल के रूप में लिया। यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत की भूमिका तो रही, लेकिन प्रचार या राजनीतिक लाभ की कोई होड़ नहीं देखी गई। भारत ने न तो कोई बड़ा आधिकारिक बयान जारी किया और न ही इसे अपनी कूटनीतिक जीत के तौर पर पेश किया। लेकिन मॉरीशस ने इस सहयोग को पूरे दिल से स्वीकारा और खुले तौर पर प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर धन्यवाद दिया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने डिजिटल समारोह में कहा कि भारत की लगातार कूटनीतिक सहायता और भरोसे ने इस संघर्ष को मुकाम तक पहुंचाया। उनके अनुसार, चागोस की वापसी केवल भूभाग की वापसी नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान की वापसी है और इसमें भारत की भूमिका अमूल्य रही। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस समझौते को एक ऐतिहासिक समाधान करार दिया और कहा कि यह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थायित्व, सहयोग और शांति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस समझौते के रास्ते में एक छोटा लेकिन संवेदनशील मोड़ भी आया, जब चागोस द्वीपसमूह की एक महिला नागरिक बर्ट्रिस पोंप ने ब्रिटिश अदालत में याचिका दायर की कि यदि द्वीप मॉरीशस को सौंप दिए गए तो उन्हें वहां लौटने की अनुमति शायद न मिले। इस पर अदालत ने कुछ समय के लिए सौदे पर अस्थायी रोक लगा दी। लेकिन बाद में सुनवाई पूरी होने के बाद यह रोक हटा ली गई और समझौते पर अंततः हस्ताक्षर हो गए। डिएगो गार्सिया द्वीप की बात करें तो यह अमेरिकी सेनाओं के लिए एक बेहद अहम ठिकाना है, खासकर अफगानिस्तान, ईरान और चीन की निगरानी के लिहाज से। इसलिए यह सौदा केवल ऐतिहासिक या भावनात्मक नहीं था, बल्कि इसमें रणनीतिक और सुरक्षा की भी कई परतें शामिल थीं। यही कारण है कि इसमें संतुलन साधना बेहद जरूरी था और भारत ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई। यह सौदा न्यू वर्ल्ड ऑर्डर यानी नए वैश्विक व्यवस्था की एक झलक भी देता है। आज जब पश्चिमी ताकतें अपने पुराने औपनिवेशिक पदचिह्नों को मिटा रही हैं, तब भारत जैसे देश सामने आकर न केवल साझेदारी निभा रहे हैं, बल्कि न्याय और नैतिक मूल्यों को केंद्र में रखकर अपनी भूमिका तय कर रहे हैं। यह केवल भूगोल का नहीं, वैश्विक मानसिकता का भी परिवर्तन है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन वह संभव है बशर्ते उसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर कूटनीतिक प्रयास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग हो।

संजय सक्सेना
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

धर्म का आदर...

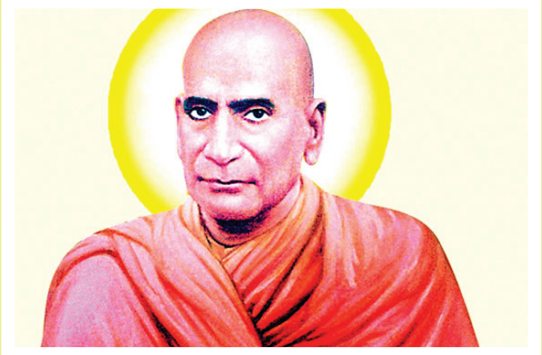

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा। स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं। स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 625 और निफ्टी 175 अंक नीचे आया

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 624.82 अंक तकरीबन 0.76 फसदी नीचे आकर 81,551.63 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 174.95 अंक करीब 0.70 फीसदी नीचे आकर 24,826.20 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और शेष सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर आज निफ्टी की 50 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 40 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.60 फीसदी जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 2.21 फीसदी नीचे आये। वहीं सनफार्मा के शेयर 0.42 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.34 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.33 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। आईटीसी, टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार ?गिरावट के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला। खुलते ही इसमें बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरूआत के बाद यह 726.90 अंक की गिरावट लेकर 81,449.55 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला। सुबह शुरूआत के बाद यह 233.80 अंक गिरकर 24,767.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख रहा। निवेशकों ने यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ टालने के ट्रम्प के फैसले पर विचार किया। जापान का निक्केई 0.15 फीसदी नीचे था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स स्थिर था। कोस्पी 0.32 फीसदी फिसला। यह सोमवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गया। वहीं, एएसएक्स 200 ट्रेंड के उलट 0.16 फीसदी बढ़ा। सोमवार को मेमोरियल डे के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे। लेकिन ट्रम्प के टैरिफ में देरी के बाद फ्यूचर्स में उछाल आया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.1 फीसदी की वृद्धि हुई और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय बाजार 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। वहीं सुबह घरेलू शेयर बाजार में सुस्त धारणा के बीच रुपया शुरूआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 85.29 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा 85.15 पर खुली और शुरूआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.29 पर लुढ़क गई जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 19 पैसे की गिरावट दिखात है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.10 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.83 पर रहा।

सोने के भाव 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी के भाव 97,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली ■

वैश्विक बाजार में नरमी के बीच घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत मंगलवार को नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए, लेकिन चांदी नरमी के साथ ही कारोबार कर रही है। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोन चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की गिरावट के साथ 95,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,937 रुपये था। हालांकि इस समय यह 108 रुपये की तेजी के साथ 96,045 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 88 रुपये की गिरावट के साथ 97,915 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,003 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 20.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,345.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.61 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.60 डॉलर था। इस समय यह 0.09 डॉलर की गिरावट के साथ 33.52 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

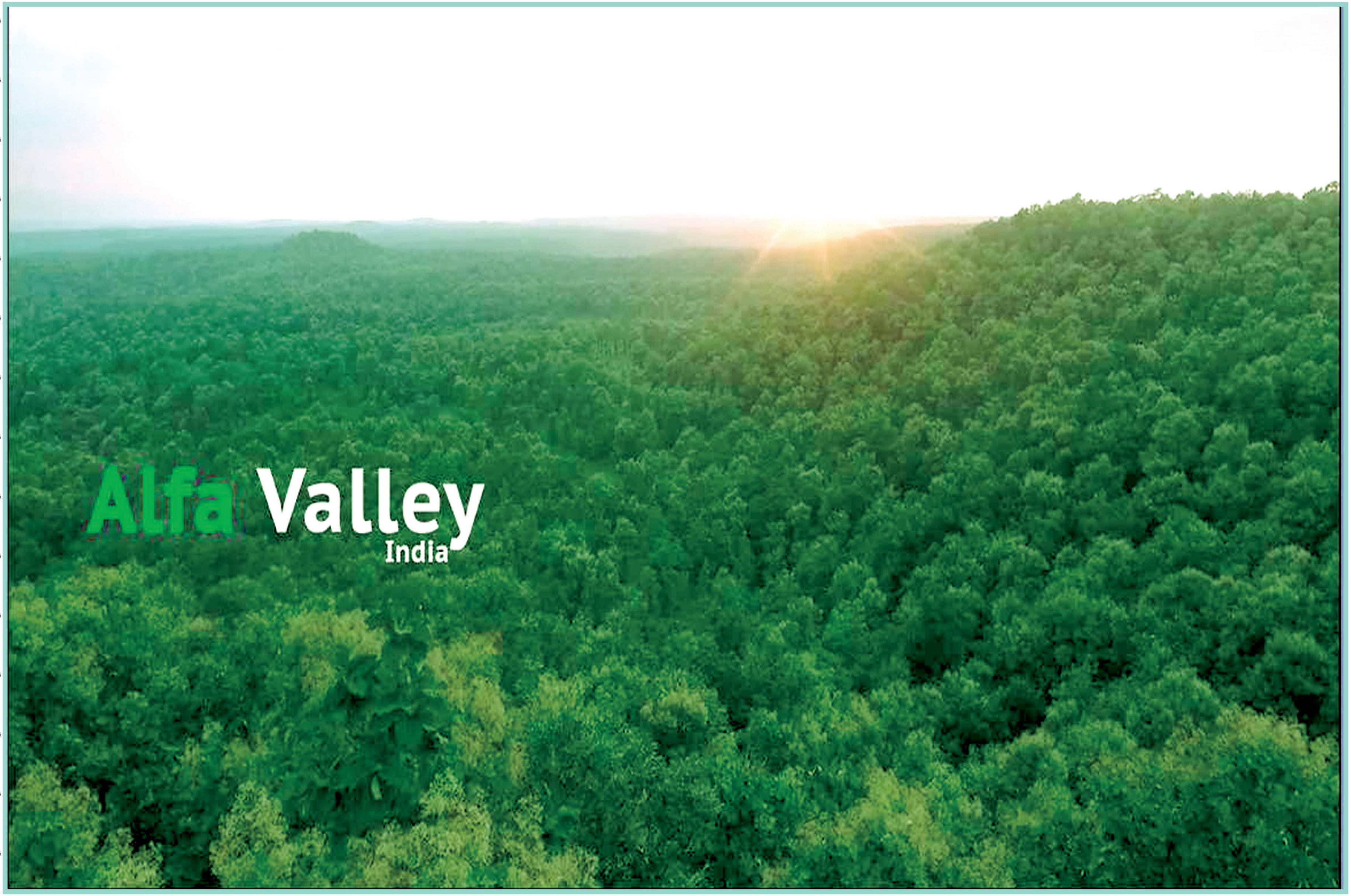

Alfa Valley
India

फ्रेंच ओपन- वर्ल्ड नंबर-1 सिनर का विजयी आगाज:पहले राउंड में सीधे सेटों में जीते, अल्काराज भी दूसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन में विजयी आगाज किया। इटली के सिनर ने मंगलवार को मेंस सिंगल्स के पहले राउंड में फ्रांस के ऑर्थर रिंडरक्नेच को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने यह मुकाबला 6-4, 6-3, 7-5 से जीता। अल्काराज पहले राउंड में जीते मौजूदा चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने इटली के क्वालिफायर ज्यूलियो जेपिएरी को 5-3, 6-4, 6-2 से हराया। वहीं, नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्पेन के भल्बर्टो रामोस विनोल्स को 6-3, 6-4, 6-2 से पराजित किया।

इगा दूसरे दौर में पहुंची

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में स्लोवाकिया की स्रामकोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। लगातार तीन बार से फ्रेंच ओपन

जीतती आ रहीं इगा स्वियातेक अगर इस बार भी यहां खिताब जीतती हैं तो वह 1968 में शुरू हुए ओपन एरा के बाद ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी होंगी। इगा फ्रेंच ओपन में पिछले 22 मैचों से अपराजेय हैं। स्वियातेक ने सीजन में अभी तक एक भी खिताब नहीं जीता है। वह अगले दौर में पूर्व स्- ओपन चैंपियन इंग्लैंड की एमा रादुकानू से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहले दौर में चीन की वांग

जिनयू को तीन सेटों के संघर्ष में 7-5, 4-6, 6-3 से पराजित किया।

राफेल नडाल सबसे सफल खिलाड़ी

राफेल नडाल ने रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है। नडाल ने फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते हैं और उन्हें सिर्फ चार बार हार का सामना करना पड़ा है जो किसी भी एक ग्रैंड स्लैम में मेंस और विमेंस कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

फ्रेंच ओपन साल का दूसरे ग्रैंड स्लैम

फ्रेंच ओपन, जिसे रोलांड गैरोस के नाम से भी जाना जाता है, एक टेनिस टूर्नामेंट है जो हर साल पेरिस में आयोजित होता है। यह दुनिया के चार ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंटों में से एक है, और इसे क्ले कोर्ट पर खेला जाता है। यह साल का दूसरे ग्रैंड स्लैम होता है।

धोनी का आगे खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा : उथप्पा

मुम्बई ■ एजेंसी

आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह अंतिम स्थान पर रही है। नियमित कप्तान रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण सत्र के बीच में ही 43 साल की उम्र में महेन्द्र सिंह धोनी ने टीम की कप्तानी संभाली थी पर इसके बाद भी टीम के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आ पाया। ऐसे में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की तरह ही धोनी के भी टीम में बने रहने पर सवाल उठे है। ये भी कहा जा रहा है कि धोनी 43 साल के हो गये हैं और अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये। वहीं धोनी ने अभी इस मामले में कुछ नहीं कहा है। पूर्व क्रिकेट रॉबिन उथप्पा का कहना है कि महेन्द्र सिंह धोनी अगले आईपीएल में खेलेंगे या नहीं इस बारे में तो वह नहीं कह सकते पर ये सब उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। उथप्पा के अनुसार धोनी अगले साल 44 साल के हो जाएंगे पर जिस प्रकार से खेल से उन्हें प्यार है। ऐसे में धोनी खेलते रहना चाहेंगे पर ये इसपर भी निर्भर करेगा कि उनका शरीर कितना साथ देता है। उथप्पा ने कहा, यह सब उनकी सेहत और उनकी भावना पर निर्भर करता है। उनके अंदर खेल को लेकर जुनून है । इसका अंदाजा इसी से होता है कि धोनी ने 2025 में सीएसके के लिए हर मैच खेला और पिछले दो सत्र की तुलना में अधिक गेंदें खेलीं हालांकि, धोनी को निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा था। इसके लेकर टीम के कोच ने कहा था कि अब उनका शरीर पहले की तरह नहीं है और वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

मनोरंजन

अचिंत ने इंस्टाग्राम पर किया भावुक वीडियो पोस्ट

टीवी इंडस्ट्री में कई सालों से काम कर चुकी अचिंत कौर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि वह फिल्मों, वेब सीरीज, थिएटर और सोशल मीडिया कोलैबरेशन जैसे नए और रचनात्मक प्रोजेक्ट्स की तलाश में हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अभिनय का लंबा अनुभव है और अब वे फिर से कैमरे के सामने आकर दर्शकों को कुछ नया देना चाहती हैं। वीडियो में अचिंत ने कहा, मैं एक एक्ट्रेस और वॉइस आर्टिस्ट हूं। मेरे पास थिएटर, टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में काम करने का अच्छा अनुभव है। मैं भारत और विदेशों में किसी भी रचनात्मक अवसर की तलाश कर रही हूं। चाहे वो फिल्म हो, शॉर्ट फिल्म हो, वेब शो या सोशल मीडिया से जुड़ा कोई कोलैबरेशन। जो भी कुछ क्रिएटिव होगा, मैं उसमें अपनी पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम करूंगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक कलाकार का सफर हमेशा आसान नहीं होता, उसमें कई उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन वह हर चुनौती के लिए तैयार हैं और एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। अचिंत कौर ने इस पोस्ट के साथ अपने मैनेजर का कॉन्टैक्ट भी साझा किया है ताकि जो लोग उन्हें प्रोजेक्ट्स में कास्ट करना चाहते हैं, वे उनसे सीधे संपर्क कर सकें। उन्होंने अपने प्रशंसकों का धन्यवाद भी किया जिन्होंने हमेशा उन्हें सपोर्ट किया है और उनके अभिनय को सराहा है।

छोटी फैन के साथ डांस परफॉर्मेंस किया टाइगर ने

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने अपनी जबरदस्त डांसिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अभिनोत की एक प्यारी सी नन्ही फैन, जो उनकी छोटी डांस राइवल कही जा सकती है, अचानक उनके साथ मंच पर आ गई। इस अनपेक्षित डांस फेस-ऑफ़ ने पूरे दर्शकों का दिल जीत लिया। टाइगर श्रॉफ, जो अपनी बेहतरीन फुर्ती और जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ स्मूद और दमदार डांस के लिए जाने जाते हैं, ने इस मौके पर भी अपनी पहचान कायम रखी। उनके हाव-भाव, एक्सप्रेशन और हाई एनर्जी मूव्स ने सभी का मन मोह लिया। कई दर्शकों ने इसे उस शाम का सबसे बेहतरीन और यादगार परफॉर्मेंस बताया। चाहे वह हवा में की गई कलाबाजियां हों या संगीत के ताल पर उनका सटीक और सहज डांस, टाइगर ने मंच पर एक धमाकेदार प्रदर्शन किया। लेकिन सबसे खास और दिल को छू लेने वाला वह पल था, जब टाइगर ने अपनी नन्ही फैन के साथ मिलकर डांस किया। टाइगर हमेशा से ही बच्चों के प्रति खास लगाव रखते हैं और अक्सर छोटे-छोटे फैंस के साथ अपनी मस्तीभरी बातचीत के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी उन्होंने उस नन्ही डांसर के साथ बेहद सहज और मस्तीभरे अंदाज में डांस करते हुए एक ऐसा नज़ारा पेश किया जिसने साबित कर दिया कि वे सिर्फ बड़े परदे के एक्शन स्टार ही नहीं, बल्कि बच्चों के दिलों के भी राजा हैं। यह प्यारा सा डांस मोमेंट सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है और फैंस इसे बेहद पसंद कर रहे हैं।

अर्चना किया अफवाहों पर खुलासा, बताया सच

बी-टाउन में सितारों के रिश्तों को लेकर अक्सर खबरें आती रहती हैं, जिनमें कई बार सच्चाई और अफवाह का फर्क समझना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के तलाक की खबरें खूब चर्चा में थीं। वहीं अब एक और चर्चित कपल, कॉमेडियन और एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह और उनके पति परमीत सेठी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें होने लगीं। खबरें है कि शादी के 34 साल बाद दोनों के बीच रिश्तों में दरार आ गई है और दोनों जल्द तलाक लेने वाले हैं। ऐसी अफवाहों के बीच अर्चना पूरन सिंह ने खुद सामने आकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और अपने रिश्ते को लेकर फैली गलतफहमियों को पूरी तरह से खारिज किया है। दरअसल, अर्चना ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वह और उनके पति परमीत सेठी के बीच एक बहस दिखाई गई थी। वीडियो देखने के बाद फैंस ने चिंता जताई और दोनों के रिश्ते को लेकर सवाल उठाए। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अर्चना ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में साफ कहा कि उनके और परमीत के बीच जो बहस हुई थी, वह बिल्कुल सामान्य और सामान्य घरेलू बहस थी, जो किसी भी शादी में होती है। उन्होंने बताया कि किसी भी तरह का तनाव या मनमुटाव नहीं है। अर्चना ने कहा कि उनके रिश्ते में प्रेम और समझदारी अभी भी कायम है, और वे दोनों मिलकर हर समस्या का समाधान करते हैं। यह कपल 30 जून 1992 को एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधा था। दोनों ने तब अपनी शादी को कई सालों तक छुपाए रखा था क्योंकि उन्हें अपने करियर को लेकर डर था।

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट- कार्लसन ने गुकेश को हराया

2 राउंड में अर्जुन से भिड़ेंगे गुकेश कार्लसन का मुकाबला हिकारू से

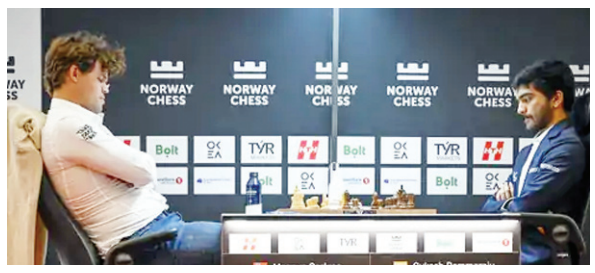

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने मैच के अंतिम समय में हराया और पूरे तीन अंक हासिल किए। 18 साल के गुकेश ने चार घंटे से ज्यादा देर तक चले क्लासिकल गेम में ज्यादातर समय 34 साल के कार्लसन पर दबाव बनाए रखा, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक गलती की जिसका फायदा उठाकर कार्लसन ने 55 चाल में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में अर्जुन से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से कार्लसन ने तीन अंक हासिल किए और वह अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। नाकामुरा ने हमवतन फैबियानो कारूआना को हराया। दूसरे राउंड में गुकेश का सामना हमवतन अर्जुन एरिगैसी से होगा। वहीं, कार्लसन का मुकाबला हिकारू नाकामुरा से होगा।

आईपीएल फाइनल के लिए बीसीसीआई का खास प्लान...

क्लोजिंग सेरेमनी में ऑपरेशन सिंदूर के नायकों को मिलेगी सलामी, सेना प्रमुखों को किया इनवाइट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएल 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी में ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के पराक्रम को सलामी दी जाएगी। बीसीसीआई ने 3 जून को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले में तीनों सेना प्रमुखों को आमंत्रित किया है। बोर्ड के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह समेत सेना के प्रमुख अधिकारियों-सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल का फाइनल मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है।

बीसीसीआई सेक्रेटरी सैकिया ने कहा-

बीसीसीआई देश की आर्म्ड फोर्सेज की वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयास किए जिसने राष्ट्र की रक्षा की और उसे प्रेरित किया। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध पर अपने अभियान को रोकने पर सहमति जताई थी। सैकिया ने कहा, सेना की सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को आर्म्ड फोर्सेज को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जबकि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है, लेकिन हमारा देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़ा कुछ भी नहीं है।

एक हफ्ते के लिए सस्पेंड किया गया था आईपीएल

8 मई को पाकिस्तान के ड्रोन अटैक के बीच धर्मशाला में पंजाब-दिल्ली मैच बीच में रोक दिया गया था। अगले ही दिन बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया था। फिर सीजफायर के ऐलान के बाद बीसीसीआई ने आईपीएल के बचे मैचों को री-शेड्यूल किया था।

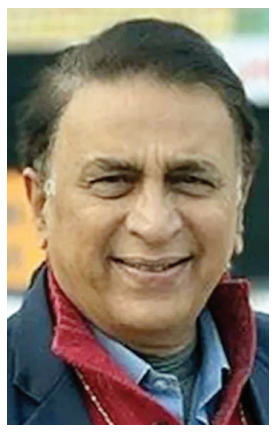

गावस्कर ने नये कप्तान शुभमन को किया आगाह, अपने व्यवहार का ध्यान रखें

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के नये कप्तान बने शुभमन गिल से कहा है उन्हें कप्तानी के दौरान अपने व्यवहार का भी ध्यान रखना होगा। गावस्कर ने कहा, कप्तान बने नये खिलाड़ी पर हमेशा दबाव रहता है क्योंकि टीम का सदस्य होने और कप्तान होने में बहुत अंतर होता है क्योंकि जब आप टीम के सदस्य होते हैं, तो आप आम तौर पर अपने करीबी खिलाड़ियों के साथ ही बातचीत करते हैं पर जब आप कप्तान बन जाते हैं, तो आपको इस तरह से समान व्यवहार करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ी आपका सम्मान करें क्योंकि उसका व्यवहा प्रदर्शन से भी अहम होता है। वहीं इससे पहले शुभमन के कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा थ कि शुभमन आज कप्तान बने हैं पर इसका पूरा श्रेय उनके पिता और युवराज सिंह को जाता है।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां,
घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

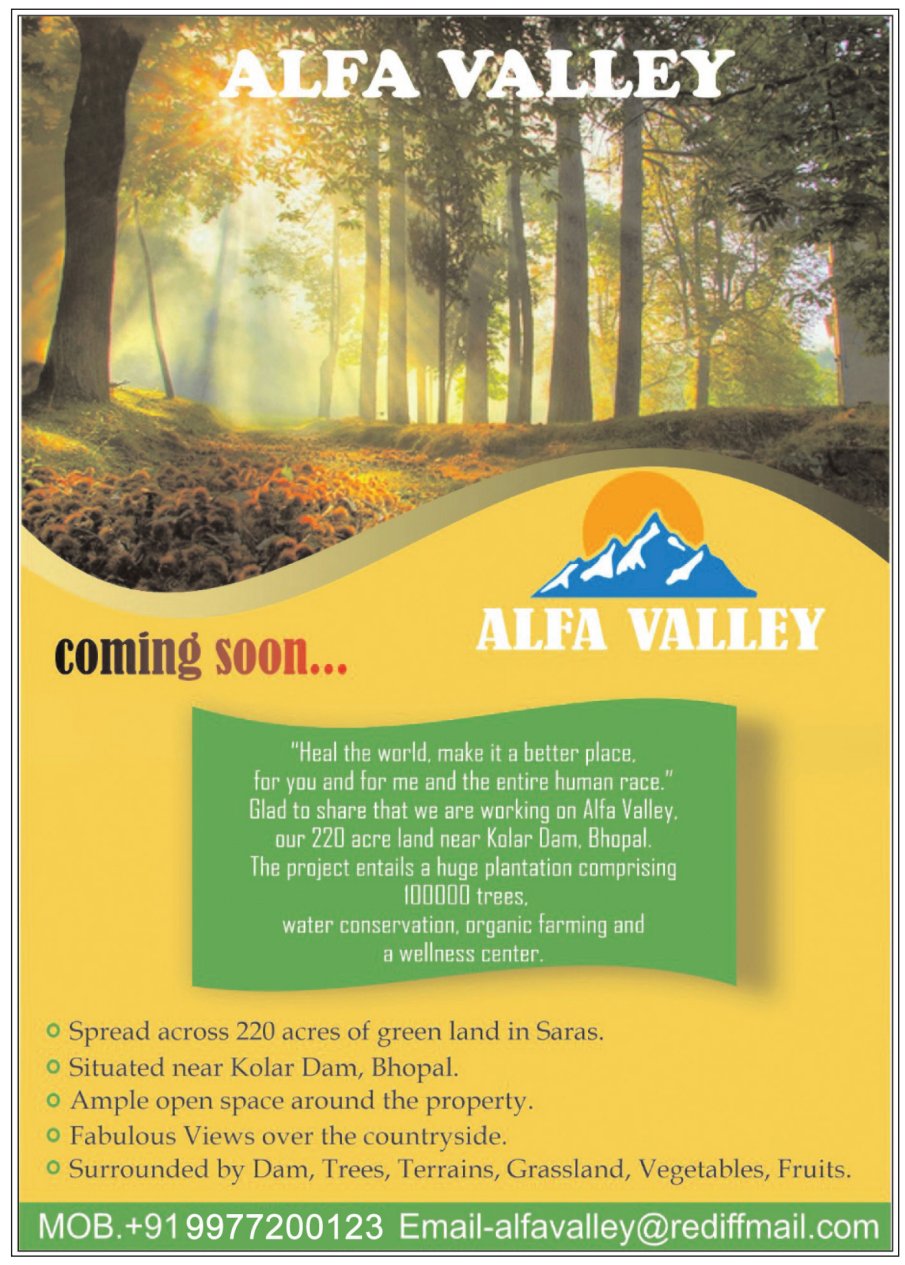

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com